



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 194]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 25, 2009/ज्येष्ठ 4, 1931

No. 194]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 25, 2009/JYAISTHA 4, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 मई, 2009

प्रारंभिक जारी परिणाम

विषय :—आस्ट्रेलिया, चीन पी आर, ईरान, मलेशिया, रूस और थाइलैण्ड में मूल रूप में बनने वाली या निर्यातित “रबड़ एप्लिकेशंस में प्रयुक्त होने वाले कार्बन ब्लैक” के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी अन्वेषण।

सं. 14/21/2008-पा.रो.म.नि.—सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, समय-समय पर यथासंशोधित (इसके पश्चात् इन्हें अधिनियम कहा गया है) और शुल्क टैरिफ (पहचान, मूल्यांकन व पाटिकिए गए सामान पर पाटन रोधी शुल्क के संग्रहण) नियम, समय-समय पर यथा संशोधित, (इसके पश्चात् इन्हें पाटन रोधी नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

(ए) प्रक्रिया

2. नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है :

- i. पदनामित प्राधिकारी (आगे से इसे प्राधिकारी कहा जाएगा) ने उपर्युक्त नियमों के अधीन, घरेलू उद्योग की ओर से एसोसिएशन ऑफ कार्बन ब्लैक मैन्यूफैक्चरर्स से एक लिखित आवेदन प्राप्त किया जिसमें आस्ट्रेलिया, चीन पी आर, ईरान, मलेशिया, रूस और थाइलैण्ड (इससे आगे इन्हें सब्जेक्ट कन्ट्रीज कहा जाएगा) में मूल रूप में निर्मित या निर्यातित होने वाले “रबड़ एप्लिकेशंस में प्रयुक्त होने वाले कार्बन ब्लैक” (इसे भी आगे से सब्जेक्ट गुड्स कहा जाएगा) के पाटन का अरोप लगाया गया है।
- ii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम-5 के उप-नियम-5 के अनुसार अन्वेषण आरंभ करने से पहले, इस पाटन-रोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में, भारत में स्थित सब्जेक्ट कन्ट्रीज के उच्चायोगों/दूतावासों को सूचित किया।
- iii. घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने अधिकथित पाटन की मौजूदगी, स्तर और प्रभाव को निर्धारित करने के लिए और पाटनरोधी शुल्क की राशि, जो वसूले जाने पर घरेलू उद्योग को पहुँची क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, की

सिफारिश करने के लिए पाटन रोधी नियम के उप-नियम 6(1) के अनुसार सब्जेक्ट कन्ट्रीज में मूल रूप से निर्मित या निर्यातित 'रबड़ एप्लिकेशंस में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक' आयातों से संबंधित पाटन-रोधी अन्वेषण आरम्भ करते हुए, भारत के राजपत्र असाधारण, में दिनांक 26 दिसम्बर, 2008 को एक सावजनिक सूचना प्रकाशित कराई ।

iv. पदनामित प्राधिकारी ने दिनांक 26 दिसम्बर, 2008 को भारत में स्थित सब्जेक्ट कन्ट्रीज के उच्चायोगों/दूतावासों, सब्जैक्ट कन्ट्रीज के परिचित निर्यातकों, परिचित आयातकों/उपभोक्ताओं और आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार घरेलू उद्योगों को प्रारम्भन अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे अनुरोध किया वे प्रारम्भन अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में, अपनो दृष्टिकोण से अवगत कराईं ।

v. कुछ इच्छुक पार्टियों से, प्रश्नावली के जबाबों को फाइल करने हेतु, समय को बढ़ाए जाने के लिए अनुरोध प्राप्त हुआ था । समय-सीमाओं को ध्यान रखते हुए, प्राधिकारी ने समय बढ़ाने की अनुमति प्रदान कर दी ।

vi. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार परिचित निर्यातकों को और सब्जेक्ट कन्ट्रीज के भारत में स्थित उच्चायोगों/दूतावासों को आवेदन की अगोपनीय रूप की प्रति उपलब्ध करवाई ।

vii. सब्जेक्ट कन्ट्रीज के भारत में स्थित उच्चायोगों/दूतावासों को पाटन-रोधी नियमों के नियम 6(2) के अनुसार अन्वेषण के आरम्भन के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का प्रत्युत्तर देने का सुझाव दें । निर्यातकों को, भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रति भी उन्हें भेजी गई जिसमें परिचित निर्यातकों के नाम व पते लिखे हुए थे ।

viii. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियम के नियम 6(4) के अनुसार सब्जेक्ट कन्ट्रीज के निम्नलिखित परिचित निर्यातकों की संगत सूचना प्राप्त करने के लिए प्रश्नावली भिजवाई ।

आस्ट्रेलिया में कार्बन ब्लैक के निर्माता/निर्यातक ।

1. कॉन्ट्रीनेन्टल कार्बन कम्पनी, सर जोसेफ बैंक्स ड्राइव कर्नेल एन एस डब्ल्यू 2231	2. कैबंट आस्ट्रेलियां पीटीबाई लिमिटेड पी0ओ. बॉक्स 829, टॉर्के, विक्टोरिया 3228 आस्ट्रेलिया
---	---

चीन पी आर में कार्बन ब्लैक के निर्माता/निर्यातक ।

1. हेबई डगुआंगरिंग इनडस्ट्री ग्रुप कम्पनी लिमिटेड, वेस्टर्व साइड, डोंगुआ साउथ रोड, शाह सिटी, हेबई प्रोविंस, पी आर चीन ।	2. शंघाई कार्गोस इंटरनेशनल ट्रेड कम्पनी लिमिटेड, टी 2-12 एफ, नं. 2601, जितु रोड, शंघाई पी आर चीन ।
3. हेबीनिंग कन्ट्री डिन्हुआ रबर केमिकल कम्पनी लिमिटेड, शांगली रोड गुआंगश डिस्ट्रिक्ट 31-1-101, हेंगशुई सिटी, हेबई प्रोविंस, पी आर चीन ।	4. हेबई योंग्ही केमिकल इन्डस्ट्रीस इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कम्पनी, लिमिटेड नं. 199, डिन्हुआ रोड शिजिआझांग, हेबई पी आर चीन ।
5. गंसु जिन्सी केमिकल कम्पनी लिमिटेड 109 #, वेस्ट सबर्ब मिन्हे काउन्टी, गंसु पी आर चीन ।	6. शन्डंग शुआंगयां केमिकल कम्पनी लिमिटेड नं. 787, डोनार रोड डान्जिंग सिटी, शन्डंग, पी आर चीन ।
7. वेफँग होन्हुआ इन्डस्ट्री एंड कार्मस कम्पनी लिमिटेड लॉचेंग टाउन, शुजेंग सिटी, शन्डंग प्रोविंस पीआरचीन ।	8. लाइवू ताइशा कार्बन ब्लैक कम्पनी लिमिटेड, गाओसुआंग इन्डस्ट्रीयल जॉन, लाइचेंग, लाइवू पी आर चीन ।
9. कीचैंग केमिकल कम्पनी लिमिटेड बेचेनवैंग, टेन्जिइन काउंटी, एनीएंग सिटी, हेनन प्रोविंस, पी आर चीन ।	10. जिआंगझी, ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कम्पनी लिमिटेड, लियाओं जिंग्डेझेन सिटी, जियारझी प्रोविंस, 333000, पी आर चीन ।
11. सुझोऊ बोआहुआ कार्बन, झुशुगुआ, सुसोऊ, पी आर चीन-21515	12. तिआंजिन डोल्फिन कार्बन ब्लैक लिमिटेड, इस्ट ऑफ रेलवे, नार्थ ऑफ यिन्हेष्यों बेचेन डिस्ट्रिक्ट, तिआंजिन, पी आर चीन 300400

ईरान में कार्बन ब्लैक के निर्माता/निर्यातक ।

1. झूडेह सनाटी पार्स कम्पनी नं. 49, पड़ीदर ऐली, अफ्रीका एवे, तेहरान-15188 ईरान	2. रिमोर्ग कार्बन ब्लैक मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी यूनिट 9, न. 11 ईस्ट नाहिद एट्रीट, अफ्रीका एवेन्यू, तेहरान ।
3. ईरान कार्बन कम्पनी, इंटरनेशनल प्राइवेट कम्पनी, बॉक्स-14155-1333 तेहरान, ईरान ।	

मलेशिया में कार्बन ब्लैक के निर्माता/निर्यातक

1. पैराडाइज़ पॉलिमर्स एंड केमिकल्स, मलेशिया, 470 तमन मुहिब्बाह जया, सुंगई सिपुत (अटारा), पेरक, मलेशिया-31100	2. सेगफील कार्बन इन्डस्ट्रीज (एम) सदन बहाद लोट 149675, एल जी बी इंटरनेशनल इन्डस्ट्रीयल पार्क, इपॉह पेरक मलेशिया-31100
--	---

रूस में कार्बन ब्लैक के निर्माता/निर्वातक

1. ओम्सटैकगलिरोड ओ जे एस सी, 644049, लगबिन्सकया स्ट्रीट 20, ओम्स, रूस	2. एम्टले हीलिंग कम्पनी, एम्टेल हाऊस 35 कुतुजोव्स्क प्रोस्पेक, 121170, मॉस्को, रूस
3. सेवर्गेजप्रोम, 39/2 लेनिन स्ट्रीट उख्ता कोमी, रिपब्लिक रशियन फेडरेशन	4. निझनेकम्स्क कार्बन ब्लैक प्लान्ट 423570 निझनेकम्स्क, प्रोम्बजा रिपब्लिक ऑफ टार्टरिस्तान
5. यरोस्लाव, इतेरवुग्लेरोड 150053 यरोस्लावल	

थाइलैण्ड में कार्बन ब्लैक के निर्माता/निर्वातक

1. थाई कार्बन ब्लैक, 44 मू. 1, आयुथया, - एंगथंग हाइवे, टैम्बॉल पासा, एम्फूर मुआंग, एंगथंग 14000	2. ब्रिजस्टोन कार्बन ब्लैक (थाइलैण्ड) कम्पनी लिमिटेड, रोजाना इन्डस्ट्रीयल पार्क, बैन खाई डिस्ट्रिक्ट थ्यांग प्रोविन्स, थाइलैण्ड।
3. थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कम्पनी लिमिटेड नौवा तल, हस्थीन टॉवर 54 नार्थ सैथोन रोड, सिलोम, बैगरक, बैंकॉक 10500 थाइलैण्ड	

ix. उपर्युक्त अधिसूचना की प्रतिक्रिया में, निम्नलिखित निर्यातकों/निर्माताओं/एसोसिएशन ने जवाब भेजे हैं

क्र.सं.	इच्छुक पार्टी का नाम	देश
1.	मैसर्स कॉटिनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पी टी वाई लिमिटेड	आस्ट्रेलिया
2.	मैसर्स निंग्बो देताई केमिकल कम्पनी लिमिटेड	चीन पी आर
3.	मैसर्स हेबई डजुआंग्मिंग जुवुबा कार्बन ब्लैक कम्पनी, लिमिटेड	चीन पी आर
4.	मैसर्स लॉग्जिंग केमिकल स्टॉक कम्पनी लिमिटेड	चीन पी आर
5.	मैसर्स निंग्बो शीन - ऑल केमिकल कम्पनी लिमिटेड	चीन पी आर
6.	मैसर्स जियांगजी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कम्पनी लिमिटेड ("ब्लैक कैट")	चीन पी आर
7.	चीन रबड इंडस्ट्री एसोसिएशन	चीन पी आर
8.	मैसर्स सुझोऊ बोआहुआ कार्बन ब्लैक कम्पनी लिमिटेड	चीन पी आर
9.	मैसर्स यरोस्लावस्की टेखनिक्स्की अगलेरोड	रूस
10.	मैसर्स ऑम्सटैकगलेरोड लिमिटेड	रूस
11.	मैसर्स ट्राइगोन गल्फ एफ जेड सी ओ	यू.ए.ई.
12.	मैसर्स थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कम्पनी लिमिटेड ("टी सी पी")	थाइलैण्ड

मैसर्स ऑम्सटैकगलेरोड लिमिटेड ने प्रश्नावली के अनुसार जवाब फाइल नहीं किया।

X. भारत में सब्जेक्टगुड्स के निम्नलिखित परिचित आयातकों/उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियाँ भेजी गई थीं जिनसे पाठन रोधी नियमों के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना माँगी गई थी ।

1. मैसर्स जे0के0 टायर्स, लिंक हाउस, 3, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002	2. मैसर्स बिरला टायर, शिवम चैम्बर्स 53, सैयद अमिर अली एवेन्यू, कोलकाता-700 019, पश्चिम बंगाल ।
3. मैसर्स अपोलो टायर्स, अपोलो हाउस 7 इस्टीट्यूशनल एरिया, सैकट्स-32, गुडगाँव 122001 (हरियाणा)	4. मैसर्स सिएट लिमिटेड, सिएट महल 463 डाक्टर ऐनी बेसेन्ट रोड वर्ली मुम्बई 400030
5. मैसर्स एम0आर० उक लिमिटेड 124 ग्रीन्स रोड चैन्स-06	6. मैसर्स रात्सन, प्लाट नं0 3 न्यू इन्डस्ट्रीयल एरिया मंडीदीपा ड्रिस्टिक रामसन, एम0पी०- 462046
7. मैसर्स पौदवार टायर, ली0टी०रोड जुगियाना, लुधियाना, (पंजाब)-141420	8. मैसर्स ओरिट्टल रब इंडस्ट्रीज, 525 कोरेगाँव बीमा पुणे नगर रोड पुणे ।
9. मैसर्स हिन्दुस्तान रबड, 1 जानकी सैन्टर आफ बीरा देसाई रोड अंधेरी वेस्ट, मुम्बई-53	10. मैसर्स अग्रवालरबड 15-1-503/49/ए, अशोक मार्केट, सिद्धीयाम्बर बाजार, हैदराबाद 50001, आन्ध्रप्रदेश
11. मैसर्स एक्सल रबड, फलैट्स नं 507, साई सदन अपार्टमेंट्स, एस0बी.आई बालकम्पेट के सामने, एस0आर० नगर, हैदराबाद-500038	12. मैसर्स टेगा इंडस्ट्रीज, प्रथम तल, 210 5वा मेन रोड विजय नगर, सेक्प्ट स्टेज रोड बंगलौर- 560040
13. मैसर्स किनिक्स, यूल आइडियल प्लाजा, फोर्थ फ्लोर 11/1 शर्त बोस रोड, कोलकाता 600 02, वेस्ट बंगाल	14. मैसर्स मोनोटीना टायर्स, मुम्बई, मुम्बई 42201 महाराष्ट्र
15. मैसर्स टीवीएस श्रीचक्र, पेरुमलपट्टी रोड बेलारिपट्टी रोड भेलूर तालुक मधुसू- 625122	16. मैसर्स आहजा काप्टीनेन्टल 1109 मित्तल टॉवर्स एम0जी०रोड बेलूर
17. मैसर्स मिडस रबड, पी० जॉन जकारिया बिल्डिंग कीटटायम, केरल 686001	18. मैसर्स टोलिन्स, एम सी रोड, कलाडी 683574 केरल
19. मैसर्स ली एम टायर्स, 5-35 सर्वे नं. 305 एंड 321 कलाकल विजेज मेडक-502320, आन्ध्र प्रदेश	20. मैसर्स हार्टेक्स रबड, 6-3-865, मधुपला टावर्स, अमीरपेट, हैदराबाद-500 161

इनकी प्रतिक्रिया में निम्नलिखित ने जवाब दिया है

क्र.सं.	इक्कुक पार्टी का नाम
1.	मैसर्स अपोलो टायर्स लिमिटेड
2.	मैसर्स जे0के0 टायर्स एंड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड
3.	मैसर्स गुडइयर साउथ एशिया टायर्स प्राइवेट लिमिटेड
4.	मैसर्स गुडइयर इंडिया लिमिटेड
5.	मैसर्स कैबर इंडिया लिमिटेड
6.	मैसर्स जनरल रबर्स
7.	ऑटोमोटिव टायर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) इंडिया
8.	ऑल इंडिया रबड इन्डस्ट्रीज एसोसिएशन, नई दिल्ली

मैसर्स जनरल रबर्स, मैसर्स अपोलो टायर लिमिटेड, मैसर्स कैबर इंडिया लिमिटेड, मैसर्स गुडइयर इंडिया लिमिटेड, मैसर्स जे0के0 टायर ने अपने आयतकों की प्रश्नावली फाइल कर दी है जिसमें उन्होंने सब्जेक्ट गुड्स के आयातों का ब्यौरा उपलब्ध कराया है ।

xii. प्राधिकारी ने विभिन्न इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य की सार्वजनिक फाइल के रूप में एक अगोपनीय प्रति उपलब्ध कराई है जो इच्छुक पार्टियों द्वारा, निरीक्षण के लिए उपलब्ध है।

xiii. उत्पादन के इष्टतम लागत और सामन्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धान्त जनरली एक्सस्पेट एकांडिंग प्रिन्सीपल्स (जी०ए०ए०पी) के आधार पर आवेदन द्वारा दी गई सूचना पर आधारित भारत में सब्जेक्ट गुड्स के निर्माण एवं विक्रय लागत को तय किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नया पाटन मार्जिन से कम पाटन रोधी शुल्क घरेलू उद्योग को पहुंची क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त रहेगा।

xiv. 1 अक्टूबर 2007 से 30 सितम्बर 2008 (पी०ओ०आई०) तक की अवधि में अन्वेषण किया गया। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में, रुझानों की समीक्षा में अप्रैल 2005 मार्च 2006, अप्रैल 2006-मार्च 2007, अप्रैल 2007- मार्च 2008 और (पी०ओ०आई) अवधियों को शामिल किया गया। सामग्री की क्षति की समावना के आकलन के लिए पी०ओ०आई के बाद के डाटा पर भी विचार किया गया है।

xv. *** अधिसूचना में इच्छुक पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना को प्रस्तुत किया जाता है और इसलिए इस पर प्राधिकारी द्वारा पाटन रोधी नियमों के अन्तर्गत विचार भी किया गया है।

वी. विचाराधीन उत्पाद और घरेलू प्रकार की वस्तुएं।

विचाराधीन उत्पाद "रबड़ एप्लिकेशंस में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक" है। यह एक अकार्बनिक रसायन है जिसे रबड़ (टायर सहित) के उत्पाद। प्रक्रिया में सुदृढ़कारी पूरक के रूप में प्रयोग किया जाता है। कार्बन ब्लैक को एसीटिलीन ब्लैक, चैनल ब्लैक, फर्नेस ब्लैक, लैम्प ब्लैक, थर्मल ब्लैक और नोइर डे कार्बन के नाम से भी जाना जाता है। कार्बन ब्लैक को दो श्रेणियों में बाँटा जा सकता है रबड़ कार्बन ब्लैक एप्लीकेशन और गैस-रबड़ कार्बन ब्लैक एप्लीकेशन। रबड़ एप्लीकेशन्स में कार्बन ब्लैक एक ऐसा कार्बन ब्लैक है जिसे रबड़ (टायरों सहित) के उत्पादन/प्रक्रिया में सुदृढ़कारी पूरक के रूप में प्रयोग किया जाता है। वर्तमान में किया गया अन्वेषण रबड़ एप्लीकेशन्स में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक के लिए ही किया गया है। नॉन-रबड़ एप्लीकेशंस में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक जैसे कॉपियरों और कम्प्यूटर के प्रिन्टर कार्टिज़, पेन्ट्स, कैथोन्स और पॉलिशों में स्थाहियों, वर्तमान में किए गए अन्वेषण के दायरे में नहीं हैं।

सब्जेक्ट गुड्स अधिनियम के अध्याय 28 की उपशीर्ष सं. 28030010 के अन्तर्गत आते हैं। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सूचक ही है और किसी भी प्रकार से वर्तमान अन्वेषण के दायरे में बाध्यकारी नहीं है।

इच्छुक पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे

ऑल इंडिया रबर इन्डस्ट्रीस एसोसिएशन, नई दिल्ली ने अन्य बातों के साथ-साथ यह भी कहा है कि थर्मल ब्लैक का उत्पादन भारत में नहीं किया जाता और इसलिए इसे अन्वेषण के दायरे से बाहर रखा जाए।



मैसर्स जेम पॉलीटैक इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित बातों पर भी तर्क-वितर्क किया है:-

सेमी कन्डक्टिव कम्पाउंड एप्लीकेशन में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक की विशेषीकृत श्रेणियाँ बढ़िया प्रक्रियागत विशेषताएं, लो सल्फर कन्टेंट और अच्छी विद्युतीय संचालकता प्रदान करती है। इन ग्रेडों का निर्माण भारत में नहीं किया जाता; इनके लिए प्रीमियम डाइज की आवश्यकता होती है और रबर एप्लीकेशंस में सुदृढ़कारी पूरक के रूप में प्रयुक्त नहीं होते। इन्हें प्लास्टिक एप्लीकेशंस में इलैक्ट्रो-स्थाटिक डिस्वार्ज (ईएसडी) और सेमीकन्डक्टर (एससी) के रूप में प्रयोग किया जाता है। इनकी बनावट पीयूसी से अलग होती है। इसलिए इन ग्रेडों को नॉन-रबर एप्लीकेशंस में शामिल किया जाए और जिनमें केबल, फिल्म्स, इलेक्ट्रोनिक एप्लीकेशंन के लिए इंजेक्शन मोल्डिंग प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

प्राधिकारी द्वारा परीक्षण

थर्मल ब्लैक- हालांकि घरेलू उद्योग ने तर्क किया है कि थर्मल ब्लैक कार्बन ब्लैक ही है लेकिन साथ ही यह भी कहा है कि घरेलू उद्योग ने पीओआई के दौरान एन 880, एन 990 और एन 991 ग्रेडों का उत्पादन नहीं किया है और वर्तमान में भी इन ग्रेडों का उत्पादन नहीं कर रहा है। इसलिए, आगे होने वाले अन्वेषण और सव्यापन को लंबित रखते हुए, इन प्रारंभिक जाँच परिणामों के उद्देश्यों के लिए प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के थर्मल ब्लैक के इन ग्रेडों को बाहर रखा है क्योंकि घरेलू उद्योग प्रत्यक्षरूप से इसका निर्माण नहीं करता है।

सेमी कन्डक्टिव कम्पाउंड एप्लीकेशंस के लिए ब्लैक कार्बन ।

चूंकि घरेलू उद्योग ने कहा कि यह कार्बन ब्लैक का वह ग्रेड नहीं है जो रबर एप्लीकेशंस के लिए हो ; इसलिए आगे होने वाले अन्वेषण को लम्बित रखते हुए इन ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र और दायरे से बाहर रखा गया है।

समान वस्तुओं के संबंध में पाटन रोधी नियम के नियम 2(डी) अद्योलिखित प्रावधान करता है:-

" समान वस्तु" का अर्थ है एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पारित किए जाने के लिए अन्वेषाधीन वस्तु के समतुल्य या सदृश हो या ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में, कोई अन्य वस्तु जो यद्यपि सभी प्रकार से समान न भी हो, लेकिन अन्वेषणाधीन वस्तुओं जैसी खास विशेषताएं वाली हों।

भारतीय बाजार में निर्यातकों द्वारा बेचे गए उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा बेचे गए उत्पाद में संभव अन्तर के संबंध में प्राधिकारी ने नोट किया है कि निर्यातकों में, इस बार कोई विवाद नहीं है कि इन दोनों उत्पादों में कोई अन्तर है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी ने यह माना है कि सब्जेक्ट कन्ट्रीज से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा निर्मित उत्पाद में कोई ज्ञात अन्तर नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद की विशेषताएं जैसे भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएं, कार्यात्मक एवं उपयोगी, उत्पाद विनिर्देशों, वितरण एवं मार्केटिंग और गुड्स के टैरिफ वर्गीकरण में आयातित सबजेक्ट प्रोडक्ट के समतुल्य ही हैं। दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे की स्थान पर प्रयोग किए जा सकते हैं। उपभोक्ता दोनों की ही एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं।

इस प्रकार प्राधिकारी का यह दृष्टिकोण है कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद पाटनरोधी नियमों के अनुसार विचाराधीन सबजेक्ट उत्पाद के जैसान समान वस्तु है।

(सी) घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र और स्थिति

पाटनरोधी नियम के नियम 2 (बी) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिमाणित किया गया है:-

(बी) घरेलू उद्योग का अर्थ है कि समग्र रूप से ऐसे घरेलू निर्माता जो समान वस्तु के निर्माण के और निर्माण से संबंधित किसी भी कार्य से जुड़े हो या ऐसे कार्यों से जुड़े हो जिसका कथित वस्तु का सामूहिक आऊटपुट उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा ही के इस बात को छोड़कर कि जब ऐसे निर्माता वस्तु के अभिकथित पाटन के निर्यातक हो और जिस मामले में ऐसे निर्माता को यह समझा दिया जायेगा कि वे घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं हैं। घरेलू उद्योग की ओर से एसोसिएशन आफ कार्बन ब्लैक मैन्यूफैक्चरर्स ने आवेदन किया है, मैसर्स फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और मैसर्स हाई- टैक कार्बन ने क्षति की सूचना उपलब्ध करवा दी है जबकि मैसर्स कान्टीनेन्टल कार्बन इंडिया लिमिटेड ने आवेदन का समर्थन किया है।

इच्छुक पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे ।

मैसर्स जियांगसी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कैट कम्पनी लिमिटेड (ब्लैक कैट) ने अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क किया है कि आवेदन का मैसर्स हाई- टैक कार्बन इंडिया का मैसर्स लाओजिंग बिरला कम्पनी लिमिटेड (चीन) और मैसर्स थाई कार्बन ब्लैक पब्लिक कम्पनी लिमिटेड (थाईलैंड) की साथ संबंध के आलोक में कोई वजूद नहीं है।

प्राधिकारा द्वारा परीक्षण -

प्राधिकारी ने नोट किया है कि मैसर्स हाई टैक कार्बन का मैसर्स आई कार्बन ब्लैक पब्लिक कम्पनी और मैसर्स लिओविंग बिरला कम्पनी लिमिटेड से संबंध है। मैसर्स हाई- टैक कार्बन ने दावा किया है कि मैसर्स लिमोनिंग बिरला कम्पनी ने भारतीय बाजार में कार्बन ब्लैक का निर्यात नहीं किया है। हालांकि मैसर्स थाई कार्बन ब्लैक पब्लिक ने मारत को सबजेक्ट गुड्स का निर्यात किया है तथा पी0ओ0आई में एम0टी0 में 518624 एम0टी0 के कुल निर्यात योग में से उनका पूरा निर्यात वोल्यूम केवल 2178 एम0टी0 ही है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि थाई कार्बन ब्लैक द्वारा किया गया निर्यात, भारत के उत्पादन और खपत की तुलना में, बहुत ही तुच्छ है। इसके साथ-साथ यह

स्थापित नहीं । क्योंकि यह गया है कि मैसर्स हाई टैक कार्बन को घरेलू उद्योग की परिधि से बाहर रखा जाना चाहिए, क्योंकि वेर्यात संबंध रखने वाले कम्पनी द्वारा किए गए हैं। प्राधिकारी उचित समझते हैं कि हाई-टैक कार्बन को घरे उद्योग के कार्यक्षेत्र में शामिल किया जाए।

रिकार्ड में उपलब्ध साथ्य के अनुसार मैसर्स फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और हाई टैक कार्बन का उत्पादन समान वस्तु के धरेलू उत्पादन के बड़े हिस्से में शामिल हैं जो भरक के उत्पादन के 50 प्रतिशत से कही ज्यादा है। इस प्रकार आवेदन, पाटन रोधी नियमों के नियम 2(बी) और 5(3) की अपेक्षाओं का समाधान करता है। इसके आगे, मैसर्स फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड और मैसर्स हाई-टैक कार्बन को वर्तमान निष्कर्षों के प्रयोजनसे पाटन-रोधी नियमों के नियम 2(बी) के साथ पढ़ने पर नियम 2(बी) के अर्थ में घरेलू उद्योग की तहत माना जा रहा है।

सब्जेक्ट कन्ट्रीज

आई०बी०आई०एस० टाटा जिस पर आवेदक ने भरोषा किया, के आधार पर आस्ट्रेलिया, चीन पी०आर०, ईरान, मलेशिया, रूस और थाईलैंड के मूल रूप में निर्मित या निर्यारित सब्जेक्ट गुड्स के आयातों के संबंध में अन्वेषण की शुरूआत की गई। तथापि प्राधिकारी ने डी०जी०सी०आई एंड एस से उक्त विषय पर डाटा उपलब्ध करवाने का अनुरोध किया था और ये प्राप्त भी हो गए थे। डाटा का अवलोकन करने से यह पता चलता है कि ईरान से सब्जेक्ट गुड्स के आयात निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से कम है। इसलिए, आगे का अन्वेषण आस्ट्रेलिया, चीन पी आर, मलेशिया, रूस और थाईलैंड में मूल रूप से बनने वाले या निर्यातित सब्जेक्ट गुड्स के आयातों तक ही सीमित रखा गया है।

इच्छुक पार्टीयों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे।

अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित प्रतिवाद भी किए गए हैं—

सब्जेक्ट कन्ट्रीज का चयन भेदभाव पूर्ण ढंग से किया गया है क्योंकि कुछ मौन सब्जैक्ट कन्ट्रीज में आयात की मात्रा न तो नकारने लायक है और न ही आयात मूल्य कम है।

थाईलैंड के बजाए रूस ज्यादा समुचित समतुल्य देश होगा क्योंकि कार्बन ब्लैक के निर्माण के लिए प्राथमिक कच्चा माल थाईलैंड में स्टाक में ज्यादा भरा है जबकि चीन में यह थोल तार के रूप में है जो कार्बन ब्लैक के निर्माण के लिए ज्यादा किफायती कच्चा माल है।

प्राधिकारी को मासिक आधार पर तुलना करनी चाहिए और यदि यह व्यावहारिक न हो तो तिमाही आधार पर किया जाए जैसाकि डब्ल्यू टी ओ पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 2.4 में प्रावधान है कि "यह तुलना व्यापार के समान स्तर पर की जाए। सामान्यतः फैक्ट्री के स्तर पर और जहां तक संभव हो उन विक्रियों के संबंध में की जाए जो उस समय पर की गई हों।"

उनकी अंपनी वेबसाइट के अनुसार ही अप्रैल, 2008 से पहले तक कोई क्षति दिखाई नहीं देती। इस प्रकार क्षति अर्जित की गणना तीसरी और चौथी तिमाही के डाटा के आधार पर की जानी चाहिए। आगे के तिमाही निर्धारण पी0ओ0आई0 के दौरान कीमतों और लागत में अत्याधिक अस्थिरता के कारण, क्षति और पाटन निर्धारण दोनों के लिए ही किए जाने वाले चाहिएं।

- कुछ इच्छुक पार्टियों ने तर्क दिया है कि पाटन-रोधी शुल्कों को पूर्व प्रभावी आधार पर थोपने का कोई औचित्य नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

प्राधिकारी ने नोट किया है कि 3% से ज्यादा मात्रा में आयात की सूचना केवल यू0के0 से प्राप्त हुई है। आवेदक ने दावा किया है कि (ए) यू0के0 में उत्पादन की कोई सुविधा नहीं है (बी) यू0के0 से निर्यात यानांतरण द्वारा होता है (सी) यू0के0 से आयातों में ऑफ स्पेक मैट्रियल की भारी विक्री शामिल है। किसी भी इच्छुक पार्टी ने आवेदक के इस दावे का खण्डन नहीं किया है।

- प्राधिकारी ने नोट किया है कि एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में रुस द्वारा विचारे जाने के लिए प्राथमिक कारण यह देखना है कि तीसरे देश के कच्चे माल में समानता हो। तथापि, प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि इच्छुक पार्टी द्वारा यह स्थापित नहीं किया गया कि कच्चे माल में अन्तर की वजह से सासे उत्पाद की विशेषताओं में कोई संभव अन्तर आ जाता है। इसके अतिरिक्त, ऐसी स्थिति में जहाँ विक्री मूल्य उत्पादन की लागत से ज्यादा हो, कच्चे माल (जिसका प्रीव उत्पादन की लागत पर पड़ता हो) में अन्तर अप्रासंगिक हो जाता है। पाटन-रोधी नियमों के अनुसार यह आवश्यक है कि एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में तीसरे देश का उचित ढंग से पदनामित प्राधिकारी द्वारा किया जाए जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर को भी और प्रसंगाधीन उत्पाद को ध्यान में रखा जाए और चयन के समय उपलब्ध कराई गई विश्वसनीय सूचना पर पूरा ध्यान दिया जाए। प्राधिकारी के पास इस संबंध में कोई विश्वसनीय सूचना रिकार्ड में मौजूद नहीं है। इसलिए, प्राधिकारी ने इस स्तर पर भारत में उत्पादन की लागत पर विचार किया है और चीन पी0आर0 में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए जायज समायोजन किया है। तथापि, प्राधिकारी इच्छुक पार्टियों की टिप्पणियों पर विचार करेंगे। अंतिम निर्धारण के उद्देश्य के लिए रुस या थाईलैण्ड पर एक प्रतिनिधि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के विकल्प के रूप में विचार करेंगे।

- प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग ने भी यह अनुरोध किया है कि तिमाही आधार पर सामान्य मूल्य की तुलना निर्यात मूल्य से की जाए। जहाँ तक भासिक तुलना का संबंध है तो यह न केवल अधिक बोझिल होगी बल्कि देखने वाली बात यह भी होगी कि इस उद्योग में कीमत निर्धारण, विशेषताएँ पर टायर सेगमेंट में, तिमाही आधार पर किया जाता है। तिमाही आधार पर तुलना किया जाना ज्यादा उपयुक्त रहेगा। तथापि, प्राधिकारी इच्छुक पार्टियों का टिप्पणियों पर भी विचार करेंगे और अंतिम निर्धारण के उद्देश्य के लिए मासिक आधार पर तुलना किए जाने के विकल्प पर भी विचार करेंगे।

- प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग ने यह दावा नहीं किया है कि घरेलू उद्योग को अप्रैल, 2008 तक कोई क्षति नहीं पहुंची है। इसके विपरीत, घरेलू उद्योग ने कहा है कि लाभ में

कमी की शुरुआत कार्य, को समाप्त तिमाही से हो गई है और आ तक भी हो रही है। इसके अतिरिक्त, यदि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण केवल पिछली दो तिमाहीयों के आधार पर किया जाता है तो इससे अन्वेषण की अवधि घटकर केवल दो तिमाहीयों तक रह जाएगी। जबकि तिमाही हर तिमाही तुलना/विश्लेषण वांछनीय हो तो, यह स्थापित नहीं किया गया है कि किसी विशेष तिमाही के लिए सूचना को बाहर रखे जाने की जरूरत है।

- क्योंकि इस स्तर पर प्राधिकारी, शुल्क के पूर्व प्रभावी आधार पर लगाए जाने की सिफारिश नहीं कर रहे हैं इसलिए यह मुद्दा अप्रासंगिक हो जाता है। अंतिम निर्धारण के लिए, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या शुल्क पूर्वप्रीवी आधार पर लगाए जाने की जरूरत है।

(डी) सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य

प्राधिकारी ने सब्जेक्ट कन्ट्रीज के परिधित निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी थी जिसमें उन्हें यह सुझाव दिया गया था कि वे निर्धारित स्वरूप और ढंग से ही सूचना उपलब्ध करवाएं। प्रश्नावलियों की प्रतिक्रिया में निम्नलिखित कम्पनियों से उत्तर प्राप्त हुए थे।

क्र.सं.	कम्पनी का नाम	देश
1.	मैसर्स निग्बो देतई केमिकल कम्पनी लि०	चीन पी.आर.
2.	मैसर्स हेबई डजुआंग्मिंग जुवुवा कार्बन ब्लैक क०लि०	चीन पी.आर.
3.	मैसर्स लोग्सिंग केमिकल स्टॉक क०लि०	चीन पी.आर.
4.	मैसर्स निग्वी शीन - ऑल केमिकल क०लि०	चीन पी.आर.
5.	मैसर्स जिआंगझी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक क०लि० (ब्लैक कैट)	चीन पी.आर.
6.	मैसर्स यरोस्लवस्की टेक्नीकेस्काई अगले रोड	रूस
7.	मैसर्स कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पीटीवाई लिमिटेड	आस्ट्रेलिया
8.	मैसर्स थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट क.लि.	थाईलैण्ड

प्राधिकारी ने नोट किया है कि विचाराधीन उत्पाद जो भारत को बेचा गया है और समान वस्तुएं, जो उनके घरेलू बाजारों में गई हैं, के संबंध में किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने किसी अन्तर का दावा पेश नहीं किया है। निर्यातकों ने सामान्य मूलयों का दावा उनके घरेलू बाजार में बचे गए सब्जेक्ट गुड्स के ग्रेडों के आधार पर किया है। कुछ निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि सामान्य मूल्य और निर्यातक कीमत की तुलना मासिक या तिमाही औसतों के आधार पर की जानी चाहिए। तिमाही आधार पर विश्लेषण करने हेतु निवेदनों को अनन्तिम रूप से स्वीकार किया गया है और प्राधिकारी ने इस स्तर पर सामान्य मूल्य की निर्यात कीमत के साथ तुलना तिमाही औसतों के आधार पर की है। तथापि, चीन पी.आर. के मामले में, जैसकि यह नीचे विस्तार से उल्लेख किया गया है, क्रियाशील निर्यातकों के सुंबंध में बाजार अर्थव्यवस्था निर्धारण के महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिनका परीक्षण और सत्यापन किए जाने की जरूरत है। इसलिए, बाजार अर्थव्यवस्था दावों और व्यक्तिमत व्यवहार के दावों के संबंध में चीन पी.आर. के क्रियाशील निर्यातकों और निर्माताओं द्वारा किए गए दावों के परीक्षण और सत्यापन होने तक लम्बित रखा गया है। प्रारंभिक निष्कर्ष के उद्देश्यी के लिए

प्राधिकारी ने चीन में सामान्य मूल्य का अनन्तिम आंकलन नियमों के अनुबंध - 1 के पैरा के आधार पर किया है।

चीन पी.आर. के मामले में सामान्य मूल्य

पाटन रोधी नियमों के अनुबंध - 1 के पैरा 7 में प्रावधान है कि:

गैस-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से निर्यातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण कीमत या बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्मित मूल्य या किसी ऐसी तीसरे देश से दूसरे देशों, जिनमें भारत शामिल है या जहाँ यह संभव न हो या कोई अन्य औचित्यपूर्ण आधार के आधार पर ही किया जाए जिससे समान उत्पाद के लिए भारत में भुगतान योग्य या वाक्तव में चुकाई गई कीमत शामिल है और जिसे जरूरत पढ़ने पर समाचोजित किया गया हो ताकि वाजिब लाभ मार्जिन भी इसमें शामिल किया जा सके। बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे उपयुक्त देश का चयन समुचित ढंग से पदनामित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा जिसमें संबंधित दिश के विकास वाले तीसरे देश के संबंध में किसी समान मामले में किए गए अन्वेषण का ध्यान समय-सीमाओं के भीतर ही रखा जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त के बारे में सूचना अन्वेषण करने वाली पार्टियों को पहले ही बिना किसी गैरजरली विलम्ब के दें दी जाएगी और अपनी टिप्पणियाँ भेजने के लिए जायज समयावधि दी जाएगी।

इस प्रारम्भन अधिसूचना में, प्राधिकारी ने इंगित किया है कि आवेदक ने यह दावा किया था कि चीन पी आर एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था है और थाईलैण्ड पर, एक बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में एक समुचित प्रतिनिधि देश की तरहर विचार किया जा सकता है। प्राधिकारी ने अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार सभी इच्छुक पार्टियों की से टिप्पणियाँ आमंत्रित की थी। एक चीन निर्यातक न, जिसका नाम जियांगसी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कम्पनी लिमिटेड (ब्लैक कैट) है, बिना यह दावा किए कि उसे एक बाजार अर्थव्यवस्था माना जाए, अन्य बातों के साथ-2 यह तर्क दिया कि इस उद्देश्य के लिए रूस के एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की तरह मान लिया जाए।

चीन पी आर के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के दावों का परीक्षण

प्राधिकारी ने नोट किया है कि पिछले तीन वर्षों में चीन पी आर को भारत और अन्य डब्ल्यूटी ओ सदस्यों ने पाटन-रोधी अन्वेषणों में गैस-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश की तरह समझ है। चीन पी आर. को पाटन-रोधी नियमों के संबंध में निर्यातक देश या व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा अनुमान के खण्डन के अधीन एक गैस-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश की तरह माना जाता है।

पाटन-रोधी नियमों के अनुबंधों 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैस-बाजार अर्थव्यवस्था की कल्पना का खण्डन किया जा सकता है यदि चीन पी आर के निर्यातक सूचना और पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदण्ड के आधार पर पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हों और तथ्यों की स्थापना विपरीत रूप में करते हों। पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना में सब्जेक्ट गुड्स सहयोगी निर्यातक/निर्माताओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे मार्केट इकॉनामी ट्रीटमेंट प्रश्नावली के जवाब पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि पदनामित प्राधिकारी निम्नलिखित मानदण्ड पर यह देखने के लिए विचार कर सकें कि क्या:-

(ए) कीमतों, लागतों और इन्पुटों, जिसमें कच्चा माल शामिल है, प्रौद्योगिकी की लागत और श्रम, आउटपुट, बिक्री के संबंध में चीन पी.आर. की संबंधित फर्मों के निर्णय और निवेश बाजार के इशारों (Signals) के हिसाब से लिए या किए जाते हैं जिनमें पूर्ति और मांग प्रतिबिम्बित होती है और इस संबंध में राज्य की ज्यादा मध्यस्था के बिना और यह भी प्रतिबिम्बित होता है कि क्या मेजर इन्युट्स की लागत प्रभावशाली ढंग से बाजार मूलयों को दर्शारती है या नहीं।

(बी) ऐसी फर्मों उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति पिछली गैस-बाजार अर्थव्यवस्था पद्धति से पैदा होने वाले महत्वपूर्ण विकारों, के अधीन है, विशेष रूप से वस्तुओं के हास, अन्य बट्टेखाते, बार्टर ट्रेड और ऋणों की क्षतिपूर्ति के द्वारा भुगतान के संबंध में।

(सी) ऐसी फर्मों दिवालियेपन और सम्पत्ति कानूनों के अधीन है जो फर्मों के संचालन के लिए न्यायिक निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं। और

(डी) विनियम दर में परिवर्तन, बाजार दर पर किए जाते हैं।

प्राधिकारी ने नोट किया है कि प्राधिकारी द्वारा जारी प्रारम्भन नीति के परिणामस्वरूप, कुछ चीनी निर्यातकों ने प्रश्नावली की प्रतिक्रिया स्वरूप अपने जवाब भिजवा दिए हैं जिनमें बाजार, अर्थव्यवस्था की प्रश्नावली के लिए जवाब शामिल है और मैसर्स जियारसी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कम्पनी लिमिटेड (ब्लैक कैट) के अलावा, गैर बाजार अर्थव्यवस्था की उपधारणा का खंडन करने की माँग की है। प्रश्नावली के लिए जवाब और क्रियाशील निर्माताओं के बाजार अर्थव्यवस्था के लिए जवाब और निर्यातकों को निम्नानुसार सब्जेक्ट कन्ट्री के सब्जेक्ट गुड्स के क्रियाशील निर्माताओं/नियातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए परीक्षण कर लिया गया है।

घरेलू उद्योग का दृष्टिकोण -

अपने दावे के समर्थन में घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित प्रतिवाद भी किए हैं-

ए. जब तक चीनी निर्यातक यह स्थापित नहीं करते कि वे नियमों के अन्तर्गत निर्धारित प्रत्येक मापदंडों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाली परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है तब तक उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था की तरह नहीं माना जा सकता। जवाबी निर्यातकों ने यह स्थापित नहीं किया है कि वे अन्य बातों के साथ-साथ स्वामित्व एवं नियंत्रण, संयंत्रों के अधिग्रहण, कच्चे माल की कीमतों और लेखा जानकों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था वाली पदवी के किस प्रकार से पात्र हैं।

चीनी निर्यातकों/ निर्माताओं द्वारा प्रस्तुत निवेदन

मैसर्स पियान्सी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कम्पनी, लिमिटेड (ब्लैक कैट)

प्रश्नावली की प्रतिक्रिया में निर्यातक ने भाग डी०ई०जी०आई०जे० एंड के और प्रश्नावली के परिशिष्ट - १ के प्रश्नों का इस आधार पर उत्तर नहीं दिया कि ये भाग या तो घरेलू बिक्री या उत्पादन लागत

से संबंधित थे । उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उन्होंने स्वयं के बाजार अर्थव्यवस्था की तरह समझे जाने के लिए आवेदन नहीं किया है इसलिए उनकी सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमों के अनुसार तीसरी बाजार आधार पर होना चाहिए ।

निर्यातक ने कोल आधारित टार और तेल आधारित टार में कीमत के अन्तर का भी दावा किया । इस उद्देश्य के लिए, निर्यातक ने अन्वेषण की अवधि के लिए कोल आधारित टार के संबंध में चाइनीज कस्टम्स एवं पीट टेटिस्टिक्स उपलब्ध करवाए । यह भी बताया गया कि चीन, जापान, ताइवान, कोरिया और मंगोलिया को कोल आधारित टार का निर्यात करता है जिनमें जापानी आयातकों की बड़ी संख्या है । मासिक आधार पर जापान को जो काले आधारित निर्यात किए गए वे निम्नानुसार हैं ।

पी0ओ0आई के दौरान कोल आधारित टार की चाइनीज कस्टम्स एक्सपोर्ट स्टेटिस्टिक्स का सारांश

एच0एस0कोड 27060000	आयातक देश - जापान			
	निर्यात की मात्रा कि0ग्रा0 में	निर्यात मूल्य एक ओ बी- सू0एस0डी0में	प्रति टन यूनिट कीमत जिसमें वैट भी शामिल है ।	यू0एस0डी में वैट की प्रति टन नेट पर दिये यूनिट मूल्य
अक्टूबर 07	15,502,298	5,333,260	344	294
नवम्बर 07	11,698,655	4,148,016	371	317
दिसम्बर 07	14,560,343	5,399,859	397	339
जनवरी 08	11,029,308	4,374,271	399	341
फरवरी 08	8,324,216	3,319,458	420	359
मार्च 08	12,838,507	5,395,734	443	379
अप्रैल 08	11,910,519	5,281,898	426	364
मई 08	16,366,168	6,969,834	426	364
जून 08	11,194,695	5,241,809	468	400
जुलाई 08	13,408,305	7,080,159	528	451
अगस्त 08	7,859,734	5,006,943	637	544
सितम्बर 08	4,659,025	3,206,600	688	588
कुल	139,351,773	60,757,841	436	373

निर्यातक ने अनुरोध किया है कि कीमत की तुलना करने के लिए काल आधारित टार के उपर्युक्त बाजार मूल्य की बैंचमार्क रूप में माना जाए । इसके साथ-साथ निर्यातकों के प्राधिकारी से यह भी अनुरोध है किया कि वे कोल आधारित टार की कीमतों की तुलना तेल-आधारित टार की कीमतों से कर लें जिन्हें प्राधिकारी अन्य देशों के निर्यातकों के अन्वेषण के दौरान प्राप्त कर सकते हैं । इसके अतिरिक्त, निर्यातक ने कोल आधारित टार और तेल आधारित टार के कारण कीमत में अन्तर का दावा भी किया ।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

जैसाकि पहले कहा गया है कि क्योंकि चीन पी0आर की पाटन-रोधी अन्वेषणों के प्रयोजन से एन0एम0ई की तरह माना गया है इसलिए चीन के घरेलू बाजार में प्राप्त की गई कच्चे माल की कीमतों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि ये कीमतें अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों को दर्शाती हैं इसलिए आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक, विशेष रीप से इस संदर्भ में कि निर्यातक ने कोल आधारित टार नाम के बड़े कच्चे माल के निर्यातकों के संबंध में वह डाटा जापान को उपलब्ध करा दिया था जो उस कीमत से कही ज्यादा है जिस पर चीन पी0आर के कार्बन ब्लैक निर्याताओं द्वारा माल खरीदा गया है ।

इसलिए, इन प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजन से सामान्य मूल्य को तैया गया जा रहा है जैसाकि इन निष्कर्षों की संगत भाग में स्पष्ट किया गया है । जहाँ तक निर्यात मूल्य का संबंध है, निर्यातक द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना/ डाटा के आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक, अन्तिम रूप में स्वीकार कर लिया गया है ।

मैसर्स लॉर्सिंग केमिकल्स स्टॉक कम्पनी लिमिटेड

निर्यातकों के जवाबों का अवलोकन करने पर उन्हें तुटि संबंधी एक पत्र भेजा गया था और अन्य बातों के साथ-साथ उनसे कुछ स्पष्टीकरण भी मांगे गए थे । निर्यातक ने पत्र का जवाब दिया है ।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

यह देखा गया है कि इसने कच्चे माल की ज्यादातर प्राप्ति राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनियों से ही की है और यह स्थापित करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं करवाए हैं कि ये कीमतें बाजार की स्थितियों को दर्शाती हैं । इसलिए, इन प्रारंभिक जाँच के उद्देश्यों के लिए सामान्य मूल्य की रचना की जा रही है जैसाकि इन जाँच की संगत भाग में स्पष्ट किया गया है । जहाँ तक निर्यात मूल्य का संबंध है निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना/डाटा आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक, अनन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया गया है ।

मैसर्स नंग्बो शीन - ऑल केमिकल कम्पनी

निर्यातक के जवाब का अवलोकन करने पर उन्हें त्रुटी संबंधी एक पत्र भेजा गया था और अन्य बातों के साथ-साथ उनसे कुछ स्पष्टीकरण भी माँगे गए थे । निर्यातक ने पत्र का जवाब दिया है ।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

जवाब के निरीक्षण से यह मालूम हुआ कि प्रत्यर्थी की एक संबंधित कम्पनी है जिसका नाम मैसर्स एच एच यू आई है जिसने वास्तव में, सब्जेक्ट गुड्स भारत को निर्यात किए थे ; हाँलाकि कम्पनी ने यह दावा किया है कि यह वास्तविक निर्यातक था । इस प्रतिविरोध के गुणों का अध्ययन

किए बिना यह भी नोट किया कि इसने मैसर्स लॉगिंग केमिकल स्टॉक कम्पनी लिमिटेड से भारी मात्रा में सब्जेक्ट गुड्स प्राप्त किए। उन्हें सब्जेक्ट गुड्स के अन्य पूर्तिकर्ता जिसका नाम मैसर्स जियांगड़ी हैंडब्राओं, कार्बन ब्लैक कम्पनी लिमिटेड है, ने इस जाँच में सहयोग नहीं किया है। चूंकि मैसर्स लॉगिंग केमिकल स्टॉक कम्पनी को एम ई अ की हैसियत नहीं दी गई है इसलिए इसका विस्तार आगामी जाँच और सत्यापन होने तक, कम्पनी तक नहीं किया जा सकता क्योंकि मैसर्स लॉगिंग केमिकल स्टॉक कम्पनी ने अन्य बातों के साथ-साथ भारी मात्रा में कच्चे सामान को राज्य के स्वामित्व वाली कम्पनियों से प्राप्त किए थे जिनके लिए यह नहीं कहा जा सकता कि वे बाजार की स्थितियों को प्रतिबिम्बित करती हैं। इसलिए, इन प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्यों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया जा रहा है जैसाकि इन निष्कर्षों के संगत खंड में स्पष्ट किया गया है। जहाँ तक निर्यात कीमत का संबंध है तो निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना/डाटा आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक अनन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया गया है।

मैसर्स निंग्बो देतई केमिकल क०लि०

निर्यातक के जवाब का अवलोकन करने पर उन्हें त्रुटी संबंधी एक पत्र भेजा गया था और अन्य बातों के साथ-साथ उनसे कुछ स्पष्टीकरण भी माँगे गए थे। निर्यातक ने पत्र का जवाब दिया है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

जवाब के अवलोकन से यह मालूम होता है कि यह कम्पनी चार शेयर होल्डरों द्वारा 2005 में बनाई गई थी जिनमें मैं सन्ताई इलैक्ट्रीकल कम्पनी लिंगो भी शामिल थी। तथापि, मैसर्स सन्ताई इलैक्ट्रीकल क०लि० 2006 से प्रत्यर्थी की शेयरहोल्डर नहीं है और इसलिए कम्पनी का शेयरहोल्डिंग का ब्यौदा उत्पादन नहीं था। जवाब के साथ संलग्न बिज़नेस लाइसेंस की प्रति से यह मालूम होता है कि यह लाइसेंस मैसर्स संताई इलैक्ट्रीकल क०लि० के बजाए मैसर्स सन्ताई इलैक्ट्रीकल एप्रेटस फैक्ट्री के नाम पर है। इसके साथ-साथ कम्पनी द्वारा यह भी दावा किया गया है कि सब्जेक्ट गुड्स के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले बड़े कच्चे माल की कोई अंतराष्ट्रीय कीमतें नहीं हैं और यह कि कच्चे माल को घरेलू बाजार में बाजार में प्रचलित कीमतों पर खरीदा गया। चूंकि चीन जन गण को पाटन-रोधी अन्वेषणों के उद्देश्यों के लिए एम ई की रूप में माना गया है। इसलिए चीनी घरेलू बाजार में प्राप्त कच्चे माल की कीमतों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि वे अंतराष्ट्रीय कीमतों को दर्शाती हैं इसलिए आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक विशेष रूप से इस संदर्भ में कि एक चीनी उत्पादक ने कोल-आधारित टार नाम के बड़े कच्चे सामान के निर्मातों के संबंध में जापान को वह डाटा उपलब्ध करा दिया जो कम्पनी द्वारा किए गए दावों से कहीं ज्यादा है।

इसलिए, इन प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजन से सामान्य मूल्य को तैयार गया जा रहा है जैसाकि इन निष्कर्षों की संगत भाग में स्पष्ट किया गया है। जहाँ तक निर्यात मूल्य का संबंध है, निर्यातक द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना/ डाटा के आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक, अन्तिम रूप में स्वीकार कर लिया गया है।

मैसर्स हेबर्ड ड्जौग्मिंग जुदुवा कार्बन ब्लैक क०लि०

निर्यातक द्वारा मिजवाए गए जवाब का अवलोकन किया गया और कुछ त्रुटियाँ पाई गईं । तदनुसार त्रुटि के संबंध में पत्र भेजा गया जिसमें स्पष्टीकरण माँगे गए ।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

हालाँकि निर्यातक ने त्रुटि संबंधी पत्र का जवाब भेजा था लेकिन यह पाया गया कि इसमें उठाए गए सभी प्रश्नों का उत्तर समुचित ढंग से नहीं दिया गया है । उदाहरण के लिए, संयंत्र और मशीनरी का अधिग्रहण करने संबंधी मुद्दे का जवाब समुचित ढंग से नहीं दिया गया है । यह भी देखा गया कि निर्यातक ने घरेलू बाजार से कच्चा माल और अन्य इन्युट्स प्रचालित कीमतों के अनुसार खरीदे थे ।

जैसाकि पहले बताया जा चुका है चूंकि चीन जन गण को पाटन-रोधी अनवेषणों के उद्देश्यों के लिए एम ई की रूप में माना गया है । इसलिए चीनी घरेलू बाजार में प्राप्त कच्चे माल की कीमतों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता की वे अन्तराष्ट्रीय कीमतों को दर्शाती है इसलिए आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक विशेष रूप से इस संदर्भ में कि एक चीनी उत्पादक ने कोल-आधारित टार नाम के बड़े कच्चे सामान के निर्मातों के संबंध में जापान को वह डाटा उपलब्ध करा दिया जो कम्पनी द्वारा किए गए दावों से कहीं ज्यादा है ।

इसलिए, इन प्रारम्भिक निष्कर्षों के प्रयोजन से सामान्य मूल्य को तैयार गया जा रहा है जैसाकि इन निष्कर्षों की संगत भाग में स्पष्ट किया गया है । जहाँ तक निर्यात मूल्य का संबंध है, निर्यातक द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना/ डाटा के आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक, अन्तिम रूप में स्वीकार कर लिया गया है ।

चीन जन गण के निर्यातक/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

प्रधिकारी ने नोट किया है कि निर्यातकों ने यह स्थापित करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि बेसिक इन्युट्स की कीमतें बाजार मूल्यों को वास्तविक तौर पर दर्शाती हों । निर्माताओं ने कच्चे माल के पूर्तिकर्ताओं के नाम दे दिए हैं और उनके लीगल स्टेट्स को पहचान दे दी है । कम्पनियों ने यह स्थापित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि इन्युट्स की चालू अन्तर्राष्ट्रीय की मतों पर प्राप्त किया गया है । उसी तरह, घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वास्तव में, चीन जन गण के कोल-आधारित स्टार की कीमत बाजार मूल्यों की ठीक प्रकार से नहीं दर्शाती । इसके लिए और अन्वेषणों की भी जरूरत पड़ेगी, जिसमें मौके पर ही सत्यापन किया जाना भी शामिल है ।

इस बात पर विचार करते हुए कि कच्चे माल की लागत सब्जेक्ट गुड्स की लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, प्राधिकारी ने स्थल सत्यापन सहित आगामी अन्वेषण होने तक इस स्तर पर चीनी निर्यातकों के साथ बाजार अर्थव्यवस्था की तरह व्यवहार नहीं कर पाएंगे ।

उपर्युक्त के आलोक में, उपर्युक्त मुद्दों, जैसे कि संयंत्रों का अधिग्रहण, क्या कच्चे माल की कीमतें अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों की दर्शाती है, सब्जेक्ट गुड्स की लागत और कीमतों पर उनका प्रभाव, लेखा संबंधी मुद्दे इत्यादि और उनका सत्यापन के जाँच होने तक, प्राधिकारी का यह विचार है कि चीन जन गण के निर्माताओं/निर्यातकों को अपने सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का स्टेट्स प्रदान नहीं दिया जा सकता।

चीन जन गण के मामले में सामान्य मूल्य की रचना के लिए अपनाया गया तरीका।

प्राधिकारी ने इस स्तर पर चीनी निर्माताओं के लिए सामान्य मूल्य की रचना निम्नलिखित आधारों पर की है:-

- (अ) मेजर इन्पुट, कोल-आधारित टार की कीमतें पर विचार उस कीमत के आधार पर किया गया है जिस कीमत पर इस माल को चीन जन गण से जापान निर्यात करने का दावा किया गया है।
- (ब) कच्चे माल का उत्पादन की प्रति यूनिट पर खपत पर विचार क्रियाशील निर्यातकों द्वारा किए गए दावों के अनुसार किया गया है।
- (स) परिवर्तन लागतों की घरेलू उद्योग के कुशल निर्माता की सूचना/डाटा के आधार पर अपनाया गया है।
- (ड) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागतों की घरेलू उद्योग के कुशल निर्माता की सूचना/डाटा के आधार पर लिया गया है।
- (इ) लाभ की गणना एक्स फैक्टरी लागत पर 5% की दर से की गई है जिसमें ब्याज शामिल नहीं है।

निष्पक्ष तुलना के उद्देश्यों से उत्पत्ति और बेचे गए सब्जेक्ट गुड्स के प्रत्येक ग्रेड लिए अलग सामान्य मूल्य की गणना की गई है और अन्वेषण अवधि की प्रत्येक तिमाही के लिए भी सामान्य मूल्य की गणना अलग से की गई है। तथापि, तह किए पार्टन मार्जिन को इस तरह से औसतन रखा गया है कि वे समूची अन्वेषण अवधि के बराबर हों और बाद में भी विचाराधीन उत्पादन के लिए समग्र मानी जाए।

आस्ट्रेलिया, रूस और थाईलैण्ड के मामले में सामान्य मूल्य

प्रश्नावली के जवाब, निम्नलिखित कम्पनियों द्वारा भिजवाए गए थे।

क्र.सं.	कम्पनी का नाम	देश
1.	मैसर्स कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पी टी वाई लि.	आस्ट्रेलिया
2.	मैसर्स यरोस्लावस्कीय टैक्नीकेस्काई अगलेरोड	रूस
3.	मैसर्स थाई टोकाई कार्बन प्रोजेक्ट क.लि.	थाईलैण्ड

चूंकि इन कम्पनियों ने प्रश्नावली के प्रश्नों के जवाब दिए हैं तो प्राधिकारी ने इन कम्पनियों के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित कर दिया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपनाया गया तरीका निम्नानुसार है:-

सामान्य मूल्यों के निर्धारण हेतु क्रियाशील निर्यातकों के लिए अपनाया गया सामान्य तरीका ।

सर्वप्रथम यह देखा गया था कि क्या घरेलू बाजारों में क्रियाशील निर्यातकों द्वारा सब्जेक्ट गुड्स की घरेलू बिक्रियाँ प्रतिनिधिक थीं और घरेलू विक्रय कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्यों के निर्धारण की अनुमति देने के लिए व्यवहार्य थी और क्या सत्यापन के अन्तर्गत निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार व्यापार परीक्षण का सामान्य तरीके को पूरा किया गया था। अपने जवाबों में निर्यातकों ने अपने घरेलू बाजारों में की गई बिक्रियों का सौदा-वार व्यौरा उपलब्ध कराया था। उपलब्ध कराई गई सूचना पर सब्जेक्ट गुड्स के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए अलग घरेलू बिक्री कीमत बराबर वाली औसत निर्धारित करने के लिए वहाँ तक भरोसा किया गया है जहाँ तक यह व्यवहार्य हो और यह आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने के अधीन रहेगी।

व्यापार परीक्षण के साधारण तरीके के निर्धारण के लिए संबंधित उत्पाद के उत्पादन की लागतों को इन दावों का सत्यापन होने तक अनन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया गया है। आगे, सभी घरेलू बिक्री सौदों को सब्जेक्ट गुड्स की उत्पादन लागतों के संबंध यह निर्धारित करने के लिए जाँचा गया था कि क्या घरेलू बिक्रियाँ व्यापार के साधारण तरीके से की गई थीं। यह भी देखा गया था कि क्या घाटे वाले सौदे बिक्री के 20% से ज्यादा तो नहीं थे।

इस बात पर विचार करते हुए कि बड़े कच्चे सामान की कीमतों में महत्वपूर्ण विचलन हुए हैं, आवेदक और एक चीनी निर्यातक ने प्राधिकारी से तिमाही तुलनाओं के आधार पर पाटन के प्रभाव का आकलन करने का अनुरोध किया है।

प्राधिकारी मानते हैं कि उपर्युक्त निवेदनों में मेरित है और उसी ग्रेड के लिए तिमाही दर तिमाही उत्पाद की लागत और बिक्री मूल्य में महत्वपूर्ण विचलन देखें हैं और इसलिए निष्पक्ष तुलना सुनिश्चित करने के लिए पाटन मार्जिन का आंकलन, तिमाही आधार पर किया है।

मैसर्स कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पी0टी0वाई0 लिमिटेड, आस्ट्रेलिया

सामान्य मूल्य का निर्धारण, आगामी सत्यापन तक, निर्यातक को सब्जेक्ट गुड्स घरेलू बिक्री कीमत पर आधारित उक्त पैराग्राफ में उल्लिखित तरीके के अनुसार किया गया है। समायोजन, आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक, प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्यों के लिए, निर्यातक द्वारा किए गए दावेनुसार डिस्काउंट और इन्लैण्ड ट्रान्सपोर्ट के कारण किए गए हैं।

मैसर्स यरोस्लावस्कीय टैक्नीकेस्काई अगलेरोड

निर्यातक के जवाब की जाँच करने पर कुछेक त्रुटियाँ नोट की गई और निर्यातक से आवश्यक सूचना/स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया जिसमें जवाब के अनुबंध। मैं

उल्लिखित सूचना भी शामिल है। चूंकि त्रुटि संबंधी पत्र द्वारा माँगी गई सूचना/स्पष्टीकरण निर्यातक द्वारा समय से उपलब्ध नहीं करवाए गए हैं। इसलिए प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर डाटा का संश्लेषण कर आगे की कार्रवाई करने के लिए बाध्य है। यह नोट किया गया है कि निर्यातक की त्रुटि संबंधी पत्र का जवाब देने के लिए समय दिया गया था। निर्यातक ने इस समय सीमा के भीतर सूचना उपलब्ध नहीं कराई। इसके पश्चात, निर्यातक ने 2 अप्रैल, 2009 के फैक्स द्वारा यह सूचित किया कि पूरी सूचना 7 अप्रैल, 2009 तक भिजवा दी जाएगी तथापि यह नोट किया गया है कि माँगी गई सूचना इस तथ्य के बावजूद भी उपलब्ध नहीं करवाई गई है कि उन्होंने अपेक्षित सूचना/डाटा वापस भिजवाने का वादा किया था। तदनुसार, हालाँकि, जवाब पूरा नहीं है और निर्यातक ने अनुपूरक सूचना के संबंध का जवाब नहीं भिजवाया है इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, निर्यातक द्वारा किए गए दावेनुसार पैकिंग के खर्चों का समायोजन करने के पश्चात आगामी सत्यापन होने तक, रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचनानुसार निर्यातक के सब्जेक्ट गुड्स की घरेलू बिक्री कीमत पर आधारित पिछले पैराग्राफ में उल्लिखित पद्धति के अनुसार किया गया।

मैसर्स थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कॉलिं

सामान्य मूल्य का निर्धारण, निर्यातक द्वारा किए गए दावेनुसार पैकिंग के खर्चों का समायोजन करने के पश्चात आगामी सत्यापन होने तक, रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचनानुसार निर्यातक के सब्जेक्ट गुड्स की घरेलू बिक्री कीमत पर आधारित पिछले पैराग्राफ में उल्लिखित पद्धति के अनुसार किया गया। तथापि, निर्यातक के जवाब की जाँच करने पर कुछ त्रुटियाँ नोट की गईं और निर्यातक से आवश्यक सूचना/स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया जिसमें कुछ लेने देने से संबंधित सूचना शामिल थी जैसा कि जवाब के अनुबंध-1 में उल्लेख किया गया है। चूंकि त्रुटि संबंधी पत्र द्वारा माँगी गई सूचना/स्पष्टीकरण निर्यातक द्वारा अभी तक उपलब्ध नहीं करवाए गए हैं, इसलिए प्राधिकारी इन लेन-देनों की अनदेखी करने के पश्चात आगे की कार्रवाई करने के लिए बाध्य हैं। इन लेन-देनों को छोड़कर, निर्यातक द्वारा किए गए दावों के आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक अनन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया गया है। समायोजन, आगामी अन्वेषण और सत्यापन होने तक, प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्यों के लिए, निर्यातक द्वारा किए गए दावेनुसार डिस्काउंट और इनलैण्ड ट्रान्सपोर्ट के कारण किए गए हैं।

मलेशिया के मामले में सामान्य मूल्य

मलेशिया के किसी भी निर्माता/निर्यातक ने निर्यातकों वाली प्रश्नावली में निर्धारित रूप और ढंग में सूचना उपलब्ध करवाकर प्राधिकारी के जवाब नहीं भेजा है। चूंकि मलेशिया के किसी निर्यातक/निर्माता प्राधिकारी के कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है इसलिए प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर दिया है। मलेशिया के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण, कच्चे माल के लिए सर्वोत्तम आंकलन, बिक्री, घरेलू उद्योग की सामान्य एवं प्रशासनिक लागतों पर विचार करके निर्मित मूल्य के आधार पर किया है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध सामान्य मूल्य का निर्धारण

चूंकि, सब्जैक्ट गुड्स के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई दूसरा जवाब प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियंत्रों के नियम 6(8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार ही अपने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का निर्णय लिया है।

निर्यात कीमत

क्रियाशील निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

प्राधिकारी ने यह जाँच की कि क्या क्रियाशील निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमतें इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रश्नावली के जवाबों के आधार पर निर्धारित की जा सकती हैं। निर्यात कीमतों के लिए आगामी निरीक्षण और सत्यापन होने तक क्रियाशील निर्यातकों द्वारा किए गए दावेनुसार अनुमति दी जा सकती है।

मैसर्स कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पी0टी0वाई0लि0, आस्ट्रेलिया

भारत के लिए पृथक भारित औसत निर्यात कीमत, सब्जैक्ट गुड्स के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है जैसाकि ऊपर स्पष्ट किया गया है समायोजन, अन्तर्देशीय भाड़े, समुन्द्री भाड़े, बन्दरगाह पर चढ़ाई-उत्तराई खर्च, सीमा शुल्क और कमीशन के कारण किए गए हैं जैसाकि आगामी अन्वेषण और सत्यापन के होने तक प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए निर्यातक द्वारा दावा किया गया है।

मैसर्स थोस्लावस कीम टेक्नीकेस्फाई अगलेरोड

निर्यातक के जवाब की जाँच करने पर कुछके त्रुटियाँ नोट की गई और निर्यातक से आवश्यक सूचना/स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया जिसमें जवाब के परिशिष्ट-2 में उल्लिखित सूचना शामिल है। चूंकि त्रुटि संबंधी पत्र द्वारा मांगी गई सूचना/स्पष्टीकरण निर्यातक द्वारा समय पर उपलब्ध नहीं करवाए गए हैं इसलिए प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ने के लिए बाध्य हैं। यह भी नोट किया गया कि जवाब का महत्वपूर्ण भाग, रूसी भाषा में था और निर्यातक को इसका अंग्रेजी अनुवाद प्रस्तुत करने का अवसर देने के बावजूद प्राधिकारी को यह अभी तक अंग्रेजी अनुवाद प्राप्त नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त, निर्यातक से प्राप्त जवाब और उनके मैसर्स ट्राइग्न गल्फ फेज्को नाम के ऐजेन्ट द्वारा फाइल कराए गए जवाब में असंगतताएं हैं जिसकी वजह से प्राधिकारी ने इंगित की गई त्रुटियों और पाई गई असंगतताओं के कारण निर्यात कीमत के डाटा की परवाह नहीं की।

जैसाकि कथित है, सब्जैक्ट गुड्ज़स के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए पृथक भारत में भारित औसत निर्यात कीमत, डी जी सी आई एवं एस डाटा के अनुसार, भारत में रिपोर्ट किए गए निर्यात के आधार पर की गई है। समायोजन मार्ग और रेल पर अंतर्देशीय दुलाई खर्चा, स्टफिंग, विलम्ब शुल्क, समुन्द्री भाड़े, बैंक प्रभार, कमीशन इत्यादि के कारण आगामी अन्वेषण

और सत्यापन होने तक प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए मैसर्स ट्राइगेन गल्फ फेज्को द्वारा दिए गए आवेदनों के अनुसार किए गए हैं।

मैसर्स थाई टीकाई कार्बन प्रोडक्ट कॉलिंग ("ब्लैक कैट")

भारत के लिए पृथक भारित औसत कीमत, सब्जेक्ट गुड्स के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया गया है। समायोजन, अन्तर्राष्ट्रीय दुलाई विदेश में दुलाई, विदेशी बीमा, जमा, बैंक प्रभार और निर्यात पैकिंग के कारण किए गए हैं जैसाकि आगामी अन्वेषण और सत्यापन के अधीन प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए निर्यातक द्वारा दावा किया गया है। इसके अतिरिक्त, यह नोट किया गया है कि चीन जन गण के अन्य निर्यातकों ने वैट (वीटी) के कारण भी समायोजन किए हैं लेकिन मैसर्स जियारझी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक कॉलिंग ने ऐसा नहीं किया है। इसलिए आगामी अन्वेषण और स्पॉट सत्यापन होने तक निर्यात कीमत के लिए भी वैट के कारण समायोजन किया जा रहा है।

मैसर्स लाइंग कैमिकल स्टॉक कॉलिंग

भारत के लिए पृथक भारित औसत निर्यात कीमत, जवाब के परिशिष्ट-2 में निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार सब्जेक्ट गुड्स के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है। समयोजन, विदेश में भाड़े, विदेशी बीमा, आउटपुट वैट, निर्यात पैकिंग, अन्तर्राष्ट्रीय भाड़े, हैंडलिंग, जमा और बैंक प्रभार के कारण किए गए हैं जैसाकि आगामी अन्वेषण और सत्यापन के अधीन, प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए निर्यातक द्वारा दावा किया गया है।

मैसर्स निंग्बो शीन ऑल कैमिकल कॉलिंग

भारत के लिए पृथक भारित औसत निर्यात कीमत, जवाब के परिशिष्ट-2 में निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार सब्जेक्ट गुड्स के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है। समयोजन, विदेश में भाड़े, विदेशी बीमा, आउटपुट वैट, हैंडलिंग और बैंक प्रभार के कारण किए गए हैं जैसाकि आगामी अन्वेषण और सत्यापन के अधीन, प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए निर्यातक द्वारा दावा किया गया है। इसके अतिरिक्त समायोजन, जिनके लिए मैसर्स लाइंग कैमिकल स्टॉक कॉलिंग निर्माता ने दावा किया है और जो मैसर्स निंग्बो शीन - ऑल कैमिकल कॉलिंग को सब्जेक्ट गुड्स का मुख्य आपूर्तिकर्ता है, आगामी अन्वेषण और सत्यापन के अधीन, प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए अन्तर्राष्ट्रीय भाड़े, पैकिंग और जमा, के कारण किए गए हैं।

मैसर्स निंग्बो डेटर्ई कैमिकल कॉलिंग

भारत के लिए पृथक भारित औसत निर्यात कीमत, जवाब के परिशिष्ट-2 में निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार सब्जेक्ट गुड्स के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है। समयोजन, विदेश में भाड़े, विदेशी बीमा, आउटपुट वैट, हैंडलिंग और बैंक प्रभार के कारण किए गए हैं जैसाकि आगामी अन्वेषण और सत्यापन के अधीन, प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए निर्यातक द्वारा दावा किया गया है।

मैसर्स हेबई डिजुआंगमिंग जुवुबा कार्बन ब्लैक क०लि०

भारत के लिए पृथक भारित औसत निर्यात कीमत, जवाब के परिशिष्ट-2 में निर्यातिक द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार सब्जेक्ट गुड्स के प्रत्येक ग्रेड/किस्म के लिए निर्धारित की गई है समायोजन शुल्क घोषणा, बन्दरगाह चार्जस, अन्तर्राष्ट्रीय दुलाई, विदेश में दुलाई, बीमा और बैंक प्रभार के कारण किए गए हैं जैसा कि आगामी अन्वेषण और सत्यापन के अधीन प्रारंभिक निष्कर्षों के उद्देश्य के लिए निर्यातिक द्वारा दावा किया गया है। इसके इतिरिक्त, यह नोट किया गया है कि चीन जन गण के अन्य निर्यातकों ने वैट के कारण भी समायोजन किए हैं लेकिन मैसर्स हेबई डिजुआंगमिंग जुवुबा कार्बन ब्लैक क०लि० ने ऐसा नहीं किया है। इसलिए आगामी अन्वेषण और मौके पर सत्यापन होने तक निर्यात कीमत के लिए वैट के कारण समयोजन भी किया जा रहा है।

मलेशिया के मामले में निर्यात कीमत

मलेशिया के किसी उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातिक की प्रश्नावली में निर्धारित प्रारूप और ढंग से सूचना उपलब्ध करवाकर प्राधिकारी को जवाब नहीं भेजा है। चूंकि किसी भी निर्यातिक/निर्माता से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है इसलिए मलेशिया के सभी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमतें मलेशिया से निर्यात के संबंध में सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्धारित की गई है।

इस उद्देश्य के लिए डीजीसीआई एण्ड एस डाटा के अनुसार भारत में रिपोर्ट किए गए निर्यातों के संबंध में सूचना को अपनाया गया है। भारत में पृथक भारित औसत निर्यात कीमत सब्जेक्ट गुड्स के प्रत्येक ग्रेड/किस्मों के लिए निर्धारित की गई है। समायोजन, समुन्द्री भाड़े, मैरीन बीमा, टी०एच०सी० चार्जज, विविध कस्टम चार्जज, सी एच ए चार्जिंज बैंक चार्जिंज और अन्तर्राष्ट्रीय भाड़े के कारण किए गए हैं जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा किया गया है।

नॉन-कॉअपरेटिव निर्यातक/निर्माताओं के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

क्योंकि चूंकि सब्जेक्ट गुड्स के अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए प्राधिकारी ने निर्यात कीमत पाटन रोधी नियमों के नियम 6(8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित करने का निर्णय लिया है। डाटा का मिलान आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई और कॉअपरेटिव निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार किया गया है।

पाटन मार्जिन - तुलना की पद्धति

यह नोट किया गया है कि रबड़ एप्लीकेशंस के लिए कार्बन ब्लैक अनेक ग्रेडों में उत्पादित किया जाता है और बेचा जाता है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना यह दर्शाती है कि सांझी लागतों और विभिन्न ग्रेडों की कीमतों में बड़ा अन्तर है यद्यपि सभी ग्रेड एक ही सामान्य उद्देश्य के लिए प्रयोग किए जाते हैं और सभी एक ही कार्य करते हैं। इसी के महेनजर, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्यों में और एक्स फैक्टरी स्तर पर विभिन्न ग्रेडों की निर्यात कीमतों में अन्तर करके ब्लैक कार्बन के प्रत्येक ग्रेड के लिए अलग से पाटन मार्जिन तैयार किया है। औसत वाला समूचा पाटन मार्जिन का निर्धारण प्रत्येक ग्रेड और संबंध वोल्यूम्स पर आधारित पाटन की गणना करके किया गया है जिससे अलग-अलग ग्रेडों में पाए गए पाटन को नकारात्मक नहीं माना गया है। तुलना करने से पी ओ

आई के दौरान सब्जेक्ट गुड्स के पाटन की मौजूदगी का पता चला। औसत भार वाली पाटन मार्जिन, जो जिसे निर्यात कीमत की प्रतिशत की तरह दिखाया गया है, को सकारात्मक और महत्वपूर्ण मानकर निर्धारित किया गया है।

इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग और क्रियाशील विदेशी निर्माताओं द्वारा फाइल की गई सूचना यह दर्शाती है कि अन्वेषण की अवधि के दौरान उत्पाद की कीमतों में बढ़े अन्तर थे। घरेलू उद्योग ने बताया कि, निरीक्षण की अवधि के दौरान बेसिक फीडस्टॉक मूलयों में काफी बढ़ोतरी हुई जिसके परिणामस्वरूप अन्वेषण की अवधि के दौरान सब्जेक्ट गुड्स की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। इसलिए घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को जहाँ तक संभव हो सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य को एक ही समय पर मानना चाहिए। कुछ क्रियाशील निंतक इस बात पर सहमत हुए कि अन्वेषण की अवधि के लिए समान भार वाली औसत के आधार पर सामान्य मूल्य की निर्यात मूल्य के साथ तुलना उचित नहीं होगी।

निष्पक्ष तुलना के सिद्धांतों और वर्तमान मामले के विशेष तथ्यों पर विचार करने के पश्चात अधिकारी ने सामान्य मूल्य की निर्यात कीमत से तुलना तिमाही औसतों के आधार पर की है कीमत जिसे बाद में पी यू सी के लिए एकल पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए नकारात्मक पाटन किए बिना समूची पी ओ आई के लिए समग्र रूप में माना गया है।

पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्यों और निर्यात कीमतों पर विचार करने के पश्चात, अन्वेषण के होने तक, उत्पाद के लिए अलग से निर्धारण किया गया है, पाटन मार्जिनों को निम्नानुसार निर्धारित किया गया है।

निर्यातक	देश	पाटन मार्जिन प्रति किलोग्राम अमेरिकी डालर में	पाटन मार्जिन %
मैसर्स कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया पीटीवाई लि०	आस्ट्रेलिया	***	38.36%
नॉन कॉअपरेटिव उत्पादक/निर्यातक	आस्ट्रेलिया	***	43.96%
मैसर्स जियांगजी ब्लैक कैट कार्बन ब्लैक क०लि०	चीन पी आर	***	26.34%
मैसर्स निंग्बो देतई केमिकल क०लि०	चीन पी आर	***	30.98%
मैसर्स हेबई डिजुआमिंग जुवुबा कार्बन ब्लैक क०लि०	चीन पी आर	***	33.93%
मैसर्स लॉग्गिंग केमिकल स्टॉक का लि०	चीन पी आर	***	37.94%
मैसर्स एचएचयूआई/निंग्बो शीन ऑल केमिकल क०	चीन पी आर	***	35.16%
नॉन-कॉअपरेटिव उत्पादक/निर्यातक	चीन पी आर	***	46.45%
मैसर्स यरोस्तावस्की टेक्नीकेस्काई अगलेरोड थ्रू मैसर्स ट्राइगन कल्फ फेजको	रूस	***	27.38%
नॉन-कॉअपरेटिव उत्पादक/निर्यातक	रूस	***	27.38%
सभी उत्पादक/निर्यातक	मलेशिया	***	12.77%
मैसर्स थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट क०लि०	थाईलैण्ड	***	21.27%
नॉन कॉ-अपरेटिव निर्माता/निर्यातक	थाईलैण्ड	***	38.53%

एफ. क्षति और कारणात्मक संबंध

हितबद्ध पार्टियों द्वारा क्षति से संबंधित अभ्यावेदन

चाइना रबर इंडस्ट्री एसोसिएसन और मैसर्स सुझीज बाओहुआ कार्बन ब्लैक कॉलिं चाइना द्वारा दिए गए अभ्यावेदन

घरेलू उद्योग के पहुँची क्षति के संबंध में विस्तृत अभ्यावेदन दिए गए हैं और अन्य बातों के साथ-साथ यह भी प्रतिवाद किया गया है कि निम्नलिखित सारणी स्पष्ट रूप से स्थापित करती है कि अन्वेषण की अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग के कार्य प्रदर्शन में सुधार आना है।

क्र.सं.	विवरण	घरेलू उद्योग को आभासित क्षति पर टिप्पणी
1.	बिक्री में वास्तविक और संभावित गिरावट	घरेलू उद्योग की बिक्रियाँ निश्चित अर्थों में बढ़ी हैं। घरेलू उद्योग अपनी उच्चतम क्षमता से संचालित हो रहा है।
2.	लाभों में वास्तविक और संभावित गिरावट	लाभ बढ़ा है। याचिकाकर्ता, आधार वर्ष की तुलना में, जब पाटन का कोई अभिकथन नहीं था, व्यापक लाभ कमा रहे हैं।
3.	आउटपुट में वास्तविक और संभावित गिरावट	उत्पादन और क्षमतापूर्वक उपयोग में बढ़ोत्तरी के साथ ही आउटपुट भी बढ़ा है।
4.	मार्केट शेयर में वास्तविक और संभावित गिरावट	कभी घरेलू निर्माताओं ने बाजार का 19% तक शेयर प्राप्त कर लिया है।
5.	उत्पादकता में वास्तविक और संभावित गिरावट	उत्पादकता में सुधार हुआ है। उत्पादकता में कभी का कोई संकेत नहीं है।
6.	निवेश पर रिटर्न में वास्तविक और संभावित गिरावट	अन्वेषण की अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न आधार वर्ष की तुलना में, जब रिटर्न नकारात्मक हुआ करता था, बढ़ा है।
7.	क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट	क्षमता उपयोग 13% से ज्यादा बढ़ गया है। घरेलू उद्योग अपनी उच्चतम क्षमता से कार्य कर रहा है।
8.	पाटन मार्जिन का परिमाण	दावा किया गया पाटन मार्जिन परिकल्पनात्मक है।
9.	रोकड़ प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	अन्वेषण की अवधिक के दौरान घरेलू उद्योग का रोकड़ प्रवाह, आधार वर्ष की तुलना में बढ़ा है।
10.	वस्तुसूचियों पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव।	यदि बिक्री/उत्पादन के दिनों की संख्या से जोड़कर विचार किया जाए तो औसत स्टॉक की पूरी स्थिति में कोई बदलाव नहीं है। घरेलू उद्योग ने स्टाक की उद्योग के नामसे से कर्म बनाए रखा है।
11.	रोजगार पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	कर्मचारियों की संख्या स्थिर बनी हुई है। रोजगार पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं है।
12.	मजदूरी पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	घरेलू उद्योग में मजदूरी सामान्य से ज्यादा बढ़ी है।
13.	विकास पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	उन्नति पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं है।
14.	पूँजी बढ़ाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	इससे यह स्पष्ट है कि वे पूँजी में आसानी से बढ़ोत्तरी कर सकते हैं।
15.	निवेशों पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव	घरेलू उद्योग ने विस्तार वाली बड़ी परियोजनाओं की चालू किया है। इससे यह स्पष्ट है कि अभिकथित पाटन के कारण निवेशों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं है।

यह प्रतिवाद किया गया है कि उपर्युक्त सारणी यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग ने पाटन-रोधी करार के अन्तर्गत निर्धारित किसी भी अनिवार्य क्षति मापदण्ड को प्रभावित नहीं किया है। घरेलू उद्योग के लाभों में बढ़ोतरी हुई है। क्षमता बढ़ी हुई क्षमता के साथ इसकी उपयोगिता भी बढ़ी है। क्षति के सभी मापदण्ड यह दिखा रहे हैं कि आधार वर्ष की तुलना में, अन्वेषण की अवधि के दौरान, वृद्धि हुई है। अभिकथित पारित निर्माताओं और घरेलू उद्योग को क्षति के दावे के बीच कोर कारणात्मक संबंध नहीं है। इसके अतिरिक्त, यह प्रतिवाद किया गया है कि बढ़ी हुई कार्यक्षमता और गुडस प्रोफिट्स के कारण 2007-08 से घरेलू उद्योग में विस्तार हुआ है। पीसीबीएल द्वारा समय-समय पर जारी विभिन्न प्रेस विज्ञप्तियों को उद्धृत किया गया है। यह प्रतिवाद किया गया है कि इससे यह स्पष्ट है कि पीसीबीएल बड़े निवेशों के द्वारा अपनी क्षमताएं बढ़ा रहा है। विस्तार के यह कार्यक्रम यह स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि कार्बन ब्लैक के संबंध में घरेलू उद्योग के लिए व्यवसाय का माहौल बहुत अच्छा है और इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने विस्तार के कार्यक्रम चालू किए हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग अच्छी दशा में हैं और अपने लाभ को बढ़ाने के लिए अनुकूल परिस्थितियों का प्रयोग करना चाहता है। अभिकथित पारित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं है।

जहाँ तक आर्थिक क्षति के डर की बात है तो यह प्रतिवाद किया गया है कि क्षति के डर और आर्थिक क्षति पर आमतौर पर विचार वैकल्पिक रूप में किया जाता है क्योंकि क्षति का डर वर्तमान में आर्थिक क्षति की बजाए निकट भविष्य में आर्थिक क्षति में ज्यादा रहता है। यह प्रतिवाद किया गया है कि क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग का दावा साधरण दावे पर आधारित है न कि तथ्यों पर। यह प्रतिवाद किया गया है कि न तो घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति पहुँची है और न ही इसे क्षति का कोई डर है।

तथापि, अन्वेषण अवधि में तिमाही दर तिमाही आधार पर कार्यप्रदर्शन में अवानति के संबंध में घरेलू उद्योग के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं है। सितम्बर, 2008 के तत्काल बाद घरेलू उद्योग के कार्य प्रदर्शन पर भी कोई टिप्पणी नहीं है।

एटीएमए द्वारा दिए गए अभ्यावेदन

एटीएमए ने विभिन्न क्षति मापदण्डों पर व्यापक अयावेदन प्रस्तुत किए हैं और यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग में किसी प्रकार की क्षति की मौजूदगी नहीं है। चूंकि प्राधिकारी ने क्षति के सारे मापदण्डों की जाँच कर ली है इसलिए उन्होंने एटीएमए द्वारा अभिव्यक्त विचारों की भी ध्यान में रखा है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने एटीएमए द्वारा उठाए गए मुद्दों पर निम्नलिखित टिप्पणियाँ की हैं:-

(ए) कीमत में दूसरों के मुकाबले में अपेक्षाकृत कटौती करना (अंडर कटिंग): - प्राधिकारी ने मलेशिया और ईरान से आयातों के मामले में पाटन रोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की है। लेकिन आयातों के बोल्यूम, जिसके बारे में डीजीसीआई एण्ड एस के डाटा में सूचना दी गई है, थाईलैण्ड के मामले में कम अंकित पाया गया है। क्रियाशील थाई निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना, कीमत में सकारात्मक अंडर कटिंग को दर्शाती है। बाकी अन्य देशों के संबंध में प्राधिकारी ने नोट किया है कि कीमत में अंडर कटिंग घरेलू उद्योग के इस दावे से मेल खाती है कि वह आयातित

और घरेलू उत्पाद में अन्तर को कम करने की कोशिश कर रहा है और परिणामस्वरूप घरेलू बिक्री के बोल्यूम में कमी नहीं आई ।

(बी) कीमत में रोक/मन्दी:- प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रीव को अन्वेषण अवधि में भी सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है । जहाँ अन्वेषण अवधि में उत्पादन की लागत में बढ़ोतरी होती हो तो ऐसे मामले में विशेष होता है जैसा कि डाटा के तिमाही विश्लेषण में मालूम होता है । यह नोट किया गया है कि अन्वेषण की अवधि में उत्पादन की लागत में बढ़ोतरी बिक्री कीमत में बढ़ोतरी से ज्यादा थी ।

(सी) अक्टूबर - दिसम्बर, ०८ की अवधि में हानियाँ - प्राधिकारी ने नोट किया है कि एटीएमए ने यह स्थापित नहीं किया है कि घरेलू उद्योग को कच्चे सामान की ऊँची लागत के कारण इस अवधि में वित्तीय हानियाँ हुई हैं । किसी भी दशा में, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के वास्तविक लागत ढाँचे पर विचार किया है । ऐसी स्थिति में, जब इन्पुट की कीमतें बढ़ रही हों, प्राधिकारी क्षति का मूल्यांकन करने के लिए प्रचलित इन्पुट कीमतों पर विचार नहीं करते बल्कि वास्तविक डाटा पर भरोसा करते हैं । इस प्रकार प्रचलित इन्पुट कीमतों पर आधारित क्षति का आंकलन करना उचित नहीं होगा । इसके आगे, यह देखा गया है कि जब घरेलू उद्योग के बिक्री बोल्यूम्स में व्यापक गिरावट आई तो आयातों की बोल्यूम में इस अवधि में बढ़ोतरी हुई थी ।

(डी) सामान्य मूल्य:- यह बताते हुए कि उत्पाद या इन्पुट्स की कीमतें जल्द उपलब्ध हैं तो प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि एटीएमए ने प्राधिकारी को ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है । आवेदन में सामान्य मूल्य के प्रमाण का उद्देश्य यह स्थापित करना है कि अन्वेषण के प्रारंभन को न्यायोचित ठहराने वाला प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है । लेकिन अन्वेषण की विशेषता और मात्रा अन्वेषण की प्रगति के साथ-साथ अन्वेषण के दौरान धीरेधीरे बढ़ती है । प्राधिकारी को प्राप्त जवाब यह दर्शाते हैं कि मलेशिया और ईरान से आयातों को छोड़कर पाटन मार्जिन काफी सकारात्मक है । वास्तव में, प्राधिकारी मलेशिया और ईरान से आयातों के मामले में किसी पाटन रोधी शुल्क की सिफारिश नहीं कर रहे हैं, इसके बावजूद इन देशों के किसी निर्यातक/उत्पादक से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ है । यह भी नोट किया गया है कि फीडस्टोक और कोल-आधारित टार के विभिन्न ग्रेड हैं । कार्बन ब्लैक फीडस्टोक और सब्जेक्ट गुड्स उसी सीमा शुल्क वर्गीकरण में आते हैं और किसी भी मामले में सीमा शुल्क डाटा का सारांश उपयोगी नहीं है । इसके अतिरिक्त, कोल आधारित टार के ग्रेड्स में बड़ी श्रृंखला है जो एसोसिएटेड एप्लीकेशंस और कीमतों में व्यापक रूप में भिन्न है ।

प्राधिकारी की एटीएमए के अभावेदन पर इस बात पर सहमत है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण भूल देश में उत्पादन की लागत के आधार पर करने की आवश्यकता है । वास्तव में, आवेदक ने सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल देश में उत्पादन की लागत के आधार पर किया है । इसे, तथापि, उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ सूचना के आधार पर तैयार किया गया है ।

(ई) आवेदन में क्षति की सूचना:- प्राधिकारी ने नोट किया है कि उनके समक्ष दायर किए गए आवेदन में क्षति के सभी अनिवार्य मापदण्डों के संबंध में सूचना है । तथापि, यह नोट किया है कि क्षति के कुछ मापदण्डों के कारण क्षति की उपस्थिति/अनुपस्थिति के संबंध में घरेलू उद्योग के दावे

और क्षति के सभी अनिवार्य मापदण्डों का मिश्रण नहीं किया जाना चाहिए । जब आवेदक से क्षति के सभी अनिवार्य मापदण्डों के बारे में सूचना माँगी गई हो तो यह आवश्यक नहीं है कि आवेदक क्षति के प्रत्येक मापदण्ड के संबंध में क्षति का दावा करें । किसी भी मामले में, यह एक स्वीकृत स्थिति होती है कि क्षति के सभी अनिवार्य मापदण्डों के आधार पर घरेलू उद्योग की क्षति को स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है ।

च. प्रारंभिक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश और उसे लागू करना- जहाँ तक प्रारंभिक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने और उसे लागू करने की पूर्व निर्धारित शर्तों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस प्रयोजनार्थ क्षति को केवल वास्तविक क्षति तक सीमित करने की जरूरत नहीं है । इसके अलावा, प्राधिकारी ने वास्तविक क्षति का सकारात्मक प्रारंभिक जांच परिणाम भी दर्ज किया है कि अक्टूबर-दिसंबर, 2008 की अवधि में वास्तविक क्षति की सीमा में और भी वृद्धि हुई है जब अनेक आर्थिक मापदण्डों के संबंध में स्थिति अत्यंत खराब हुई है ।

छ. मॉग में कमी- प्राधिकारी नोट करते हैं कि सितम्बर, 2008 तक उत्पाद की मॉग में गिरावट नहीं आई है । यद्यपि एटीएमए ने कोई साक्ष्य उपलब्ध कराए बिना यह दावा किया है कि अक्टूबर-दिसंबर, 08 में आयात मात्रा में तेजी से गिरावट आई है तथापि आईबीआईएस के आंकड़े से घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से यह पता चलता है कि इस अवधि के दौरान आयात मात्रा में वस्तुतः अत्यधिक वृद्धि हुई है । इसके अलावा, जहाँ इस बात पर सहमति है कि वाहनों के उत्पादन (और परिणामतः उक्त उद्योग के लिए समरत निविष्टियों के उत्पादन में जिसका तात्पर्य संबद्ध वस्तु से ही है) में तेजी से गिरावट आई है जो एक ऐसी स्थिति है जिसमें उत्पाद की मॉग में गिरावट आई है किंतु आयात मात्रा में वृद्धि हुई है जिससे पाटित आयातों द्वारा क्षति की सीमा बढ़ाने का पता चलता है ।

ज. कच्ची सामग्री की कीमत- प्राधिकारी नोट करते हैं कि मौके पर की गई और दीर्घावधिक संविदाओं के अपने संबद्ध लाभ एवं अलाभ होते हैं । घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उनके उत्पाद की कीमतें तिमाही आधार पर तय की जाती हैं जबकि उनकी कच्ची सामग्री की कीमत तिमाही से कम अवधि के लिए तय की जाती है । स्पष्टतः एक कारक घरेलू उद्योग के पक्ष में किया जा सकता है ।

झ. आईबीआईएस के आंकड़ों में अंतर- प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आरोप लगाते समय कि आवेदक द्वारा प्रदत्त आईबीआईएस के आंकड़ों और एटीएमए द्वारा प्राप्त आंकड़ों में अंतर है । यह देखा जाता है कि एटीएमए ने इस अंतर की पुष्टि नहीं की है । प्रत्येक मामले में प्राधिकारी ने अब डीजीसीआई एंड एस से आंकड़े प्राप्त किए हैं और उन्हीं के आधार पर वर्तमान जांच परिणाम दर्ज किए हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में हितबद्ध पार्टियों के विभिन्न अनुरोधों को नोट किया है और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों तथा कानून पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निमानुसार विश्लेषण किया गया है :

संचयी निर्धारण

विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II पैरा (iii) की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है जिसमें यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि :-

क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के ७% के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की ३% है अथवा जहाँ अलग-अलग देशों का निर्यात ३% से कम है वहाँ संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है तथा

ख. आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के महेनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

प्राधिकारी ने यह पाया है कि

- i. संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से पाटन मार्जिन ऊपर निर्धारित सीमाओं से अधिक है;
- ii. संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा ईरान को छोड़कर निर्धारित सीमाओं से अधिक है;
- iii. आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से हुए निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत रामान वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह निम्नलिखित से स्पष्ट हो जाता है :

क. घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु के विभिन्न ग्रेडों का उत्पादन किया जाता है। संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा इसी प्रकार के ग्रेडों का उत्पादन किया जा रहा है और भारत को उनकी आपूर्ति की जा रही है। संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु में आपस में और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद की तुलना में तुलनीय गुणधर्म हैं। दूसरे शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों से आपूर्त और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु आपस में समान वस्तु हैं।

ख. ऐसी सामान्य पार्टियाँ हैं जो विभिन्न स्थानों से आयातित सामग्री और घरेलू सामग्री का उपयोग कर रही हैं। अतः आयातित एवं घरेलू सामग्री का उपयोग एक-दूसरे के रथान पर किया जा रहा है और घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा है।

ग. संबद्ध देशों के निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने उन्हीं ग्राहकों को समान अवधि में समान उत्पाद की बिक्री की है। बिक्री के माध्यम तुलनीय हैं।

घ. प्रत्येक देश से आयात की मात्रा काफी अधिक है।

ड. घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि ग्राहक विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत कीमतों के आधार पर खरीद संबंधी निर्णय लेते हैं।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मानते हैं कि आस्ट्रेलिया, चीन जन. गण, मलेशिया, रूस और थाइलैंड से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण उचित होगा।

पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव, तथा (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यप्रकृत जांच का प्रावधान है। जहाँ तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहाँ तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :

“ संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समर्त संगत कारकों और विक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में रवाभाविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, यूँजी निवेश जुटाने की क्षमता की जांच शामिल होगी। ”

माँग एवं बाजार हिस्सा

देश में उत्पाद की माँग का निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से हुए आयातों की राशि के रूप में किया गया है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
भारत में माँग	ग्रे. रुप।	408692	439812	503122	526199

यह नोट किया जाता है कि असि अवधि में उत्पाद की माँग में पर्याप्त एवं सतत वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

आवेदक ने समूची क्षति अवधि के लिए आईबीआईएस के आंकड़ों के आधार पर आयात संबंधी सूचना प्रदान की है। प्राधिकारी ने आयात आंकड़ों के लिए डीजीसीआई एंड एस से अनुरोध किया था जो प्राप्त हो गए थे। इसके अलावा, संबद्ध देशों के अनेक उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारतीय ग्राहकों/आयातकों ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है। प्राधिकारी ने आयात संबंधी समस्त सूचना का मिलान किया और उसकी तुलना की ताकि क्षति अवधि में आयातों की मात्रा का निर्धारण किया जा सके। यह नोट किया जाता है कि थाइलैंड और ऑस्ट्रेलिया के मामले में प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यातों की वास्तविक मात्रा डीजीसीआई एंड एस या आईबीआईएस के आंकड़ों में सूचित मात्रा से अधिक है। इसके अलावा, डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में सूचित आयात की मात्रा आईबीआईएस के आंकड़ों में सूचित आयात की मात्रा से काफी अधिक है। अतः थाइलैंड और ऑस्ट्रेलिया के मामले में प्राधिकारी ने ऑस्ट्रेलिया और थाइलैंड के प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यातों की वास्तविक मात्रा को खीकार किया है। अन्य सभी मामलों में डीजीसीआई एंड एस द्वारा सूचित आयात की मात्रा ली गई है। यह देखा जाता है कि :-

क) संबद्ध देशों से हुए आयातों में मलेशिया को छोड़कर समग्र रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है :

आयात	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
ऑस्ट्रेलिया	मी. टन	2,142	2,094	5,905	6,655
चीन जन. गण.	मी. टन	1,342	6,221	11,565	12,580
मलेशिया	मी. टन	942	2,660	5,443	5,092
रूस	मी. टन	16,194	8,379	25,008	26,391
थाइलैंड	मी. टन	125	3,932	5,731	7,888
संबद्ध देश	मी. टन	20,746	23,287	53,652	58,607
अन्य देश	मी. टन	3,139	7,383	9,415	8,552
कुल आयात	मी. टन	23,885	30,670	63,066	67,159

ख) संबद्ध देशों से हुए आयातों में भारत में उत्पादन एवं खपत के संबंध में और आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
भारतीय उत्पादन की तुलना में पाटित आयात	%	4.15	4.36	9.40	9.83
भारत में माँग के संबंध में पाटित आयात	%	5.08	5.29	10.66	11.14

ग) आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में मामूली गिरावट आई है।

माँग में बाजार हिस्सा % के रूप में	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
संबद्ध देश	%	5.08	5.29	10.66	11.14

अन्य देश	%	0.77	1.68	1.87	1.63
घरेलू उद्योग	%	69.94	68.42	65.69	65.28
समर्थक कंपनियाँ	%	12.96	12.10	10.44	11.12
अन्य भारतीय उत्पादक	%	11.26	12.51	11.33	10.83
भारतीय उद्योग का हिस्सा	%	94.16	93.03	87.46	87.24

इस प्रकार यह देखा जाता है कि वर्ष 2007-08 के आंकड़ों की तुलना में घरेलू उद्योग पर आयातों का मामूली प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव पड़ा है। चूंकि वर्ष 2007-08 के आंकड़े भी जां अवधि के भाग हैं इसलिए इनकी तुलना पूर्ववर्ती अवधि के साथ करनी उचित होगी। यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।

आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

जहाँ तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती। यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप मलेशिया को छोड़कर कीमत में भारी कटौती हुई है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी नोट करते हैं कि अलग-अलग ग्रेडों की कीमत में पर्याप्त अंतर है। इसके अलावा, क्षति अवधि में निविष्टि लागत में पर्याप्त वृद्धि हुई थी जिससे क्षति अवधि के भीतर कीमत में वृद्धि हुई। अतः प्राधिकारी ने तुलनीय ग्रेडों के लिए तिमाही आधार पर आयात की पहुँच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के साथ की है। भारित औसत कीमत कटौती का निर्धारण संबद्ध आयात मात्रा पर विचार करने के बाद किया गया है। यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप मलेशिया से हुए आयातों को छोड़कर कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है यद्यपि संबद्ध देशों से समग्र कीमत कटौती सकारात्मक रही है। स्थिति निम्नानुसार है-

देश	कीमत कटौती (₹./मी.टन)	कीमत कटौती पर के रूप में (₹/ज)
ऑस्ट्रेलिया- कंटिनेंटल	***	4 to 8%
चीन जन. गण.	***	8 to 12%
रूस	***	5 to 9%
थाइलैंड-टीसीपी	***	1 to 4%
मलेशिया	***	निर्धारणात्मक
संबद्ध देश	***	3 to 8%

प्राधिकारी ने थाइलैंड और ऑस्ट्रेलिया के मामले में डीजीसीआई एंड एस के बजाय उनके आंकड़ों का उपयोग करते हुए प्रतिवादी निर्यातकों के लिए कीमत कटौती का निर्धारण किया है क्योंकि

प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यात की मात्रा डीजीसीआई एंड एस में सूचित मात्रा से अधिक है।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

पाटनरोधी निमयावली के अनुबंध II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहाँ तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समरत संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक तथा संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों, घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार विचार-विमर्श किया गया है :

बिक्री मात्रा

क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा का विश्लेषण किया गया था। स्थिति निम्नानुसार है-

अवधि	घरेलू बिक्री की मात्रा
गी. टन	
2005-06	285,838
2006-07	300,935
2007-08	330,521
जांच अवधि	343,516
अक्टू-दिस., 07	90,295
जन.-मार्च, 08	81,231
अप्रैल- जून, 08	86,612
जुलाई- सित., 08	85,379
अक्टू-दिस. 08 (जांचोत्तर अवधि)	64,164

यह देखा जाता है कि इस अवधि के दौरान घरेलू बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है। तथापि यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के भीतर जांच अवधि की प्रथम तिमाही की तुलना में बिक्री मात्रा में गिरावट आई है। इसके अलावा, अक्टू-दिस., 08 की अवधि में बिक्री मात्रा में अत्यधिक गिरावट आई है।

क्षमता एवं क्षमता उपयोग

इकाई	क्षमता Mt	उत्पादन Mt	क्षमता उपयोग %
2005-06	440,000	396,040	90.01
2006-07	440,000	427,568	97.17
2007-08	485,000	465,587	96.00
जांच अवधि	500,000	488,060	97.61
अक्टू-दिस., 07	125,000	123,480	98.78
जन.-मार्च, 08	125,000	121,632	97.31
अप्रैल- जून, 08	125,000	121,891	97.51
जुलाई- सित., 08	125,000	121,057	96.85
अक्टू-दिस. 08 (जांचोत्तर अवधि)	125,000	79,992	63.99

यह देखा जाता है कि क्षति अवधि में दिसंबर, 2007 तक उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में सुधार हुआ है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि उसके बाद क्षमता उपयोग में क्रमिक गिरावट आई है। इसके अलावा, अक्टूबर-दिसंबर, 08 की अवधि में उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में अत्यधिक गिरावट आई है।

कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

यह देखा जाता है कि आयातों द्वारा घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है। घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत एवं बिक्री कीमत की तुलना आयातों की पहुँच कीमत के साथ करने पर यह पता चलता है कि आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास भी हो रहा है।

	बिक्री कीमत	उत्पादन की लागत	अंशदान मार्जिन	पाइत आयातों की पहुँच कीमत
इकाई	रु./मी. टन (सूचीबद्ध)	रु./मी. टन (सूचीबद्ध)	रु./मी. टन (सूचीबद्ध)	रु./मी. टन
2005-06	100	100	100	29,463
2006-07	125	119	126	41,128
2007-08	121	113	136	37,246
जांच अवधि	147	142	120	43,902
अक्टू-दिस., 07	128	116	141	36,591
जन.-मार्च, 08	134	127	125	40,296
अप्रैल- जून, 08	149	146	118	46,160
जुलाई- सित., 08	179	180	111	52,726
अक्टू-दिस. 08 (जांचोत्तर अवधि)	192	234	27	64,243

यह पाया गया है कि संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित इन उत्पादों की बिक्री कीमत से बहुत कम है। परिणामस्वरूप मलेशिया के मामले को छोड़कर घरेलू कीमत उद्योग लागत वृद्धि के अनुपात में उत्पाद की कीमत में वृद्धि नहीं कर पाया है। आयातित उत्पाद की कीमत और घरेलू उद्योग के उत्पाद की कीमत में अत्यधिक अंतर होने के कारण कुछ उपभोक्ताओं ने अपने पाटित आयातों में वृद्धि की है, जैसाकि आयातक प्रश्नावली के कुछ उत्तरों में देखा जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में कार्बन ब्लैक के कुछ आयातकों/उपभोक्ताओं से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ था। प्राधिकारी ने इन पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना का विश्लेषण किया और इन पक्षकारों द्वारा आयातों तथा घरेलू बाजार से अधिप्रापण की तुलना की। नीचे दी गई तालिका स्थिति का सारांश देती है :-

आयातित संबद्ध वस्तु	घरेलू उत्पादकों से खरीदी गई संबद्ध वस्तु					
	2006-07	2007-08	जाँच अवधि	2006-07	2007-08	जाँच अवधि
अपोलो	***	***	***	***	***	***
जेके	***	***	***	***	***	***
केबॉट इंडिया	***	***	***	***	***	***
गुडईयर इंडिया	***	***	***	***	***	***
गुडईयर एसए	***	***	***	***	***	***
जनरल रबड	***	***	***	***	***	***

यह देखा गया है कि जाँच अवधि के दौरान घरेलू स्रोतों से अपोलो टायर्स के अधिप्रापण में आंशिक वृद्धि हुई है और आयातों में कमी आई है। जे.के. टायर्स के मामले में, जहाँ घरेलू बाजार से अधिप्रापण में कमी हुई वहाँ आयातों से अधिप्रापण बढ़ गया था। प्राधिकारी ने अपोलो टायर्स और जे.के. टायर्स के मामले में घरेलू तथा आयातित उत्पाद के बीच कीमत अंतर का निर्धारण किया। नीचे तालिका में इसका सारांश दिया गया है :-

	अपोलो	जेके
आयात की मात्रा (एमटी)	***	***
प्रति मी. टन सीआईएफ आयात कीमत	***	***
प्रति मी. टन आयातों की पहुँच कीमत	***	***
घरेलू उद्योग से प्रति मी. टन खरीद कीमत	***	***
प्रति मी. टन कीमत कटौती	(***)	***

यद्यपि उपर्युक्त औसत आधार पर है, यह देखा गया है कि जे.के. टायर्स के मामले में आयातों कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों से बहुत कम थीं। साथ ही जहाँ जे.के. टायर्स द्वारा आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई वहीं घरेलू अधिप्रापण की मात्रा घट गई। अपोलो टायर्स के मामले में आयात कीमतें तथा घरेलू कीमतें कुछ हद तक तुलनीय थीं। आयात की मात्रा में वृद्धि हुई और घरेलू बिक्री अवरुद्ध हो गई। तथापि जाँच अवधि में अपोलो द्वारा आयात की मात्रा में थोड़ी सी कमी आई और लगभग उसी अनुपात में घरेलू

बिक्री में वृद्धि हुई । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू तथा आयात कीमतों में अंतर से उपभोक्ताओं द्वारा अधिप्रापण की मात्रा पर प्रत्यक्ष रूप से प्रभाव पड़ा ।

लाभ/हानि, निवेश पर आय तथा नकद लाभ

लाभ/हानि, निवेश पर आय तथा नकद लाभ से संबंधित स्थिति निम्नानुसार रही :-

अवधि	प्रति मी. टन लाभ/हानि रु. में (सूचीबद्ध)	प्रतिशत के रूप में निवेश पर आय (सूचीबद्ध)	प्रति मी. टन नकद लाभ रु. में (सूचीबद्ध)
2005-06	100	100	100
2006-07	243	205	164
2007-08	291	187	181
जाँच अवधि	267	140	164
अक्टूबर- दिसम्बर, 07	392	199	211
जनवरी-मार्च, 08	289	143	167
अप्रैल-जून, 08	221	122	134
जुलाई-सितम्बर, 08	162	98	108
अक्टूबर-दिसम्बर, 08 (जाँच अवधि के उपरान्त)	-732	-190	-289

यह पाया गया है कि दिसम्बर, 2007 तक लाभप्रदता में सुधार हो रहा था । हालांकि तत्पश्चात लाभप्रदता में इस सीमा तक गिरावट आई कि अप्रैल, 2008 से लाभप्रदता वर्ष 2006-07 के स्तर से भी नीचे आ गई थी । निवेश पर आय तथा नकद लाभों की प्रवृत्ति भी लाभप्रदता के समान रही है । निवेश पर आय तथा प्रति इकाई नकद लाभ में दिसम्बर, 2007 तक वृद्धि हुई और तत्पश्चात वे वर्ष 2006-07 में दर्ज स्तरों से भी कम पर पहुँच गए । आगे अक्टूबर-दिसम्बर, 2008 में लाभप्रदता में इस हद तक कमी हुई कि घरेलू उद्योग को उल्लेखनीय रूप से वित्तीय हानि का सामना करना पड़ा । इस तिमाही में निवेश पर आय और नकद लाभ ऋणात्मक हो गए थे ।

मालसूचियाँ :

मालसूचियों से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं :-

	2005- इकाई प्रारंभिक	2006- 06	2006- 07	2007- 08	जाँच अवधि	अक्टू- दिस.07	जन. मार्च08	अप्रैल- जून08	जुलाई- सितम्बर, 08
प्रारंभिक मी.टन	10649	8361	8528	12322	12322	10049	9841	10228	

यह नोट किया गया है कि जाँच अवधि के दौरान मालसूचियों में वृद्धि हुई है। उत्पादन में कटौती के बावजूद जाँच अवधि की अंतिम तिमाही में मालसूची में अत्यधिक वृद्धि हुई।

रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता

रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता से संबंधित आँकड़ों से निम्नलिखित प्रदर्शित होता है :-

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जॉच अवधि
कर्मचारियों की संख्या - सं०	सूचीबद्ध	100	100	100	99
मजदूरी - लाख रु०	सूचीबद्ध	100	115	141	147
प्रति उत्पादन इकाई पर मजदूरी - रु./मी. टन	सूचीबद्ध	100	107	120	119
प्रति कर्मचारी उत्पादकता - मी. टन	सूचीबद्ध	100	108	117	125

पाटन मार्जिन:

पाटन मार्जिन से संबंधित उपर्युक्त अनुच्छेद से यह देखा जा सकता है कि संबद्ध देशों से संबंधित पाटन मार्जिन अत्यधिक सकारात्मक है।

१५४

यह नोट किया गया है कि दिसम्बर, 2007 तक घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक थी । हालांकि तत्पश्चात वह नकारात्मक होने लगी है जैसाकि विभिन्न मानदंडों में वृद्धि दर्शाने वाली निम्नलिखित तालिका में देखा जा सकता है :-

निधियाँ जुटाने की क्षमता:-

यह नोट किया गया है कि अब तक निधियाँ जुटाने की क्षमता प्रभावित नहीं हुई है ।

वास्तविक क्षति का जोखिम

उपर्युक्त के अलावा वास्तविक क्षति के जोखिम के दावे की भी जाँच की गई थी । इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने जाँच अवधि की अनुवर्ती अवधि के लिए घरेलू उद्योग की स्थिति पर भी विचार किया ।

1. भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों में वृद्धि हो रही है । जाँच अवधि के बाद भी आयातों की मात्रा अत्यधिक है ।
2. संबद्ध वस्तु की आयात कीमत और घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक अंतर है । ऐसी कीमतों पर आयात किया जा रहा है जिसका घरेलू कीमत पर अत्यधिक हासकारी अथवा अवमूल्यनकारी प्रभाव पड़ रहा है और इससे आयातों की माँग में वृद्धि होने की संभावना है । जहाँ निविष्टि कीमतों में सितम्बर, 2008 तक वृद्धि हो रही थी और आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों का अवमूल्यन हो रहा था वहीं उसके बाद निविष्टि कीमतों में गिरावट शुरू हो गई है । परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तु की कीमतें भी कम हो गई हैं । तथापि यह देखा गया कि घरेलू उद्योग के उत्पाद की कीमतों में हुई गिरावट निविष्टि लागतों में हुई गिरावट (जैसाकि योगदान में आई गिरावट से स्पष्ट है) से अधिक है ।
3. आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु की माँग में अत्यधिक कमी आई है । कार्बन ब्लैक तथा टायरों (अधिकांश संबद्ध वस्तु का उपयोग टायरों के उत्पादन में हो जाता है) के निर्यातों के संबंध में चीनी सीमाशुल्क विभाग के आंकड़ों से यह देखा जा सकता है कि इन देशों से निर्यात की मात्रा में अत्यधिक गिरावट दर्शाई गई है । चीनी सीमाशुल्क विभाग द्वारा जारी सूचना के आधार पर याचिकाकर्ता ने चीन जन.गण. से टायरों के निर्यात में अत्यधिक कमी होने का दावा किया है, जैसाकि नीचे तालिका में दर्शाया गया है । आवेदक ने दावा किया है कि यदि यह मान भी लिया जाए कि चीन की घरेलू माँग में कमी नहीं आई है तो भी यह स्पष्ट है कि केवल चीन, जन.गण. में ही कार्बन ब्लैक की खपत में इतनी अधिक गिरावट आई है कि वह भारत में सकल खपत से भी कहीं अधिक है ।

	अप्रैल-सित. 08	अक्टूबर-दिस. 08	जन.-फरवरी, 09
टायरों का औसत मासिक निर्यात (रु.)	3,622,818	2,675,376	1,284,561
कार्बन ब्लैक की औसत मासिक खपत (मी.टन)	50,719	37,455	17,984
कार्बन ब्लैक की मासिक खपत में गिरावट (मी. टन)		13,264	32,736

(नोट: आवेदक ने सूचित किया है कि पहले चीनी सीमाशुल्क विभाग संख्या के रूप में आंकड़े दर्शा रहा था जबकि जनवरी, 2009 से आंकड़े भार के रूप में दर्शाए जा रहे हैं और इस प्रकार उन्होंने उपयुक्त विश्लेषण हेतु टॉयर का औसत भार 50 किग्रा. और प्रति टाथर कार्बन ब्लैक की औसत खपत 14 किग्रा. मान ली है।)

आवेदक ने यह दर्शाने के लिए सूचना भी प्रस्तुत की है कि कुछेक संबद्ध देशों के घरेलू तथा निर्यात बाजारों में टायरों की माँग में बहुत कमी आई है। चूँकि अधिकांश विचाराधीन उत्पाद टायर उत्पादन में प्रयुक्त हो जाता है अतः यह स्पष्ट रूप से इस बात का संकेत है कि इन देशों में उत्पादकों द्वारा अत्यधिक बेशी उत्पादन किया गया है।

वास्तविक क्षति तथा वास्तविक क्षति के जोखिम के संबंध में निष्कर्ष

यह देखा गया है कि लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ, मालसूची तथा बाजार हिस्से के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में कमी आई है। दिसम्बर, 2007 तक उत्पादन, बिक्री मात्रा तथा क्षमता उपयोग जैसे मानदंडों में सुधार हुआ लेकिन तत्पश्चात उनमें गिरावट आई। प्रस्तावित जाँच अवधि में तिमाही निष्पादन के रूप में हास अधिक स्पष्ट है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का जोखिम था जो अक्टूबर-दिसम्बर, 2008 की अवधि से संबंधित उपायों की संख्या से स्पष्ट हो जाता है। निष्पादन में आई कमी अत्यधिक और वास्तविक है। इस प्रकार घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। जाँच अवधि के उपरांत के आंकड़े वास्तविक क्षति का जोखिम भी दर्शाते हैं।

कारणात्मक संबंध

पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर अन्य ज्ञात कारकों, जो उसी अवधि में घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हों, की जांच करना भी अपेक्षित है ताकि इन अन्य कारकों द्वारा हुई क्षति को पाटित आयातों के साथ न जोड़ा जाए। इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं उनमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा तथा कीमतें, माँग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में बदलाव और घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन तथा उत्पादकता शामिल हैं।

इस बात की जाँच की गई कि क्या नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध इन अन्य कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति पहुँची थी। यह पाया गया कि

क. तीसरे देशों से आयात:- प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देशों से न्यूनतम सीमा से अधिक आयात केवल यूके से दर्ज किए गए हैं। आवेदक ने सूचित किया है कि यूके में कोई उत्पादन सुविधा नहीं है और यूके से हुए आयात मुख्यतः गौण सामग्री की बिक्री को दर्शाते हैं। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस दावे का विरोध नहीं किया है।

ख. माँग में कमी:- प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान माँग में कोई कमी नहीं हुई है। इसके विपरीत क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की समग्र माँग में काफी सकारात्मक वृद्धि दिखाई देती है। तथापि यह नोट किया जाता है कि अक्टूबर-दिसम्बर, 2008 में माँग में थोड़ी कमी आई है। यद्यपि यह विचार किया गया है कि इस अवधि में माँग में गिरावट आई थी जिसका घरेलू उद्योग पर बिक्री तथा अनुवर्ती उत्पादन और क्षमता प्रयोग के रूप में प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथापि यह नोट किया गया है कि इस अवधि में आयात की मात्रा में और वृद्धि हुई। अतः इस अवधि में जहाँ घरेलू बिक्री (और अनुवर्ती उत्पादन तथा क्षमता उपयोग) में अत्यधिक कमी आई, वहीं आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई।

ग. खपत का पैटर्न :- खपत के पैटर्न में कोई विशेष परिवर्तन प्राधिकारी की जानकारी में नहीं आया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई सूचना दी है।

घ. प्रतिस्पर्धा की स्थिति:- अब तक हुई जाँच में यह कहीं लक्षित नहीं होता है कि घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति के लिए प्रतिस्पर्धा की स्थिति या व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ जिम्मेदार हैं।

ड. प्रौद्योगिकी में बदलाव:- अब तक हुई जाँच में यह कहीं लक्षित नहीं होता है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई विशेष बदलाव हुआ जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुँच सकती है।

च. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन:- जहाँ एक ओर घरेलू उद्योग के निर्यात की मात्रा में वृद्धि हुई है वही वर्तमान क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा घरेलू तथा निर्यात बाजार में कीमत व लाभप्रदता को अलग-अलग कर दिया गया है। अतः ऐसा नहीं है कि निर्यात निष्पादन के संभावित समावेश के कारण क्षति संबंधी विश्लेषण सही स्थिति प्रस्तुत नहीं करता है। वास्तव में घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उन्हें बाजार में पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण देश में अपने उत्पाद की माँग में कमी के परिणामस्वरूप इसी निर्यात करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालाँकि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति प्रदर्शित नहीं होती है, तथापि निम्नलिखित भाषण यह दर्शाते हैं कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

i. यद्यपि क्षति अवधि के दौरान फीडस्टॉक कीमतों में अत्यधिक वृद्धि हुई है, तथापि फीडस्टॉक कीमतों में वृद्धि के अनुपात में आयात कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है। आयातों की पहुँच कीमतों घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थीं। कीमत कटौती के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं ने अधिक मात्रा में आयात का सहारा लिया है जिससे संभावित बिक्री का नुकसान और बाजार हिस्से में गिरावट आई है।

ii. बाजार हिस्से में गिरावट से घरेलू उद्योग अपना उत्पादन एवं क्षमता उपयोग बढ़ा नहीं पाया है। इसके विपरीत पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण दिसम्बर 2007 के बाद उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

iii. आयातों की पहुँच कीमत से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई है। परिणामस्वरूप ऐसा प्रतीत होता है कि कम आयात कीमतों से घरेलू उद्योग द्वारा अपनी कीमतों में वृद्धि में बाधा आई है।

iv. आयातों के कीमत हासकारी प्रभाव का सीधा परिणाम घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट तथा उसके फलस्वरूप निवेश पर आय एवं नकद लाभ गें गिरावट के स्वरूप में हुआ है। अतः लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभों में गिरावट प्रत्यक्षतः बाजार में पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण है।

v. अक्टूबर-दिसम्बर 2008 की अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन में आई अत्यधिक गिरावट प्रत्यक्षतः बाजार में पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण है।

प्राधिकारी का विचार यह है कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

क्षति का परिमाण एवं क्षति मार्जिन

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करके घरेलू उद्योग हेतु संबद्ध वस्तु के विभिन्न ग्रेडों की क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग की इस क्षतिरहित कीमत की तुलना संबद्ध आयातों के पहुँच मूल्य से की गई है। क्षति मार्जिन का परिकलन निम्नानुसार किया गया है:-

देश	निर्यातक	क्षति मार्जिन अम.डा.प्रति किग्रा.	क्षति मार्जिन %
ऑस्ट्रेलिया	मै० कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया प्रा० लि०	***	12.26%
ऑस्ट्रेलिया	असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	14.80%
चीन जन गण	मै० जियांगसी ब्लैक कैट कार्बन कं लि०	***	9.54%
चीन जन गण	मै० निंगबो डेटाई केमिकल कंपनी लि०	***	10.62%
चीन जन गण	मै० हेबैंड डागुआंगमिंग जुबुबा कार्बन ब्लैक कंपनी लि०	***	7.40%
चीन जन गण	मै० लांगजिंग केमिकल रस्टॉक कंपनी लि०	***	14.88%
चीन जन गण	मै० एच एच यू आई/निंगबो शीन - सभी केमिकल कंपनी	***	8.71%
चीन जन गण	असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	18.23%
मलेशिया	सभी उत्पादक/निर्यातक	***	-7.11%
रूस	सभी उत्पादक/निर्यातक	***	12.48%
थाईलैंड	मै० थाई टोकाई कार्बन प्रोडक्ट कंपनी लि०	***	9.46%
थाईलैंड	असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	18.20%

ज. निष्कर्ष

हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों की जाँच करने तथा इस जाँच परिणाम में दर्ज तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- भारत में सम्बद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पाद का पाटन हुआ है;
- विचाराधीन उत्पाद में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। इसके अतिरिक्त आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति का खतरा भी है।
- घरेलू उद्योग को यह क्षति और उसका खतरा सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों से है।

अ. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से सम्बद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

यह स्वीकार किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ेगा। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं होगी, विशेष रूप से तब जब कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण घरेलू उद्योग की क्षति के निवारण हेतु आवश्यक राशि तक सीमित है। इसकी तुलना में पाटनरोधी उपायों के अधिरोपण से पाटन प्रथाओं से हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए अधिक विकल्प बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

अ. सिफारिशें

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच की शुरूआत करके सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति और पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति की प्रारंभिक जाँच शुरू और सम्पन्न करने तथा ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के अनंतिम निर्धारण के बाद प्राधिकारी का यह विचार है कि जाँच के लंबित रहने तक पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हैं और सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे निर्धारित प्रपत्र में और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

प्राधिकारी द्वारा अनुपालन किए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार केन्द्र सरकार द्वारा इन सिफारिशों को स्वीकार किए जाने की स्थिति में इस अधिसूचना की तारीख से सम्बद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर नीचे दी गई तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के अनुसार अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

क्र. नं.	शोध/उप शोध	वस्तु विवरण*	उद्यग का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	विवरण	शुल्क की राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	28030010	खड़ अनुप्रयोजन से मैं प्रयोग होने वाला कार्बन फ्लैक	ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलिया	५० कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया प्रा० लि०	५० कॉन्टीनेन्टल कार्बन आस्ट्रेलिया प्रा० लि०	0.131	प्रति किलो	अम.डा.

2.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	ऑर्ट्रेलिया	ऑर्ट्रेलिया	उपर्युक्त के अलावा लैप्टॉप अन्य संयोजन	0.155	प्रति किलो.	अम.डा.
3.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	ऑर्ट्रेलिया	संबद्ध देशों से इतर अन्य देश**	कोई	कोई	0.155	प्रति किलो.
4.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	संबद्ध देशों से इतर अन्य देश**	ऑर्ट्रेलिया	कोई	कोई	0.155	प्रति किलो.
5.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	चीन जन गण	चीन जन गण	मै० निम्नवो लेटाई कैमिकल लैपटॉप लिं०	मै० निम्नवो लेटाई कैमिकल कंपनी लिं०	0.133	प्रति किलो.
6.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	चीन जन गण	चीन जन गण	मै० हेवई डायाग्मिंग चुम्बक कार्बन लैप्टॉप लिं०	मै० हेवई डायाग्मिंग चुम्बक कार्बन लैप्टॉप लिं०	0.078	प्रति किलो.
7.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	चीन जन गण	चीन जन गण	मै० लॉगिजिंग कैमिकल स्टॉक लैंप लिं०	मै० लॉगिजिंग कैमिकल स्टॉक लैंप लिं०	0.159	प्रति किलो.
					मै० हुई कैमिकल लैंप लिं० के जरै निम्न चीन ऑस कैमिकल कंपनी लिं०	मै० हुई कैमिकल लैंप लिं० के जरै निम्न चीन ऑस कैमिकल कंपनी लिं०	0.094	प्रति किलो.
8.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	चीन जन गण	चीन जन गण	मै० जियांगकर्सी लैप्टॉप कैर कार्बन लैप्टॉप लैंप लिं०	मै० जियांगकर्सी लैप्टॉप कैर कार्बन लैप्टॉप लैंप लिं०	0.109	प्रति किलो.
9.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	चीन जन गण	चीन जन गण	उपर्युक्त के अलावा कोई अन्य संयोजन		0.190	प्रति किलो.
10.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	चीन जन गण	संबद्ध देशों से इतर अन्य देश**	कोई	कोई	0.190	प्रति किलो.
11.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	संबद्ध देशों से इतर अन्य देश**	चीन जन गण	कोई	कोई	0.190	प्रति किलो.
12.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	स्लू	स्लू	मै० कार्डेस्लाइट्सी ट्रैकिलेसर्सी चुम्बकीय सेट	मै० ट्रिगोन गल्क एक जेड री ओ	0.132	प्रति किलो.
13.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	स्लू	स्लू	उपर्युक्त के अलावा कोई अन्य संयोजन		0.132	प्रति किलो.
14.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	स्लू	संबद्ध देशों से इतर अन्य देश**	कोई	कोई	0.132	प्रति किलो.
15.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	संबद्ध देशों से इतर अन्य देश**	स्लू	कोई	कोई	0.132	प्रति किलो.
16.	28030010	‘खड़ अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला कार्बन लैप्टॉप’*	वाईलेड	वाईलेड	मै० थाई लोकल कार्बन प्रोजेक्ट कंपनी लिं०	मै० थाई लोकल कार्बन प्रोजेक्ट कंपनी लिं०	0.114	प्रति किलो.

17	28030010	'खड अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला काबिन लैक'	थाईलैंड	थाईलैंड	उपर्युक्त के असाधा लैई अन्य संयोजन	0.195	प्रति किला.	अम.डा.	
18	28030010	'खड अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला काबिन लैक'	थाईलैंड	संबद्ध देशों से इतर अन्य देश **	लैई	लैई	0.195	प्रति किला.	अम.डा.
19	28030010	'खड अनुप्रयोजनों में प्रयोग होने वाला काबिन लैक'	संबद्ध देशों से इतर अन्य देश **	थाईलैंड	लैई	लैई	0.195	प्रति रिया.	अम.डा.

* टिप्पणी:- आगे की जाँच के लंबित रहने तक एन 880, एन 990 तथा एन 991 ग्रेडों और अर्द्ध-चालक यौगिक अनुप्रयोजनों हेतु अभिप्रेत काबिन ब्लैक ग्रेड को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा गया है।

** संबद्ध देश हैं : ऑस्ट्रेलिया, चीन जन गण, मलेशिया, रस्स एवं थाईलैंड

ट. आगे की प्रक्रिया

प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।

क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों में इन जांच परिणामों के संबंध में टिप्पणियों आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा;

ख. संबंधित के रूप में ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो इन जांच परिणामों के प्रेषण के तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है;

ग. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विचार मौखिक रूप से सुनने के लिए प्राधिकारी सुनवाई करेंगे।

घ. प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे।

ঙ. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

आर. गोपलन, निर्विचित प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th May, 2009

Preliminary Findings

Subject :—Anti-dumping Investigations concerning imports of “Carbon Black used in rubber applications” originating in or exported from Australia, China PR, Iran, Malaysia, Russia and Thailand.

No. 14/21/2008-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the AD Rules);

A. PROCEDURE

2. The procedure described herein below has been followed:

- i The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application from the Association of Carbon Black Manufacturers on behalf of the domestic industry, alleging dumping of 'Carbon Black used in rubber applications' (hereinafter also referred to as the subject goods); originating in or exported from Australia, China PR, Iran, Malaysia, Russia and Thailand (hereinafter also referred to as the subject countries).
- ii The Authority notified the High Commissions/Embassies of the subject countries in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- iii The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry issued a public notice dated 26th December, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of 'Carbon Black used in rubber applications' originating in or exported from subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the AD Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.
- iv The Designated Authority sent a copy of initiation notification dated 26th December, 2008 to the High Commissions/Embassies of the subject

countries in India, known exporters from subject countries, known importers/users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

v Request for extension of time to file the questionnaires' response was received from some interested parties. The Authority granted the time extension, keeping in view the time constraints.

vi The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the High Commissions/Embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) supra.

vii The High Commissions/Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters.

viii The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

Carbon Black Producers/Exporters in Australia

1. Continental Carbon Company Sir Joseph Banks Drive Kurnell NSW 2231	2. Cabot Australia, Pty. Ltd P.O. Box 829, Torquay, Victoria 3228 Australia
---	--

Carbon Black Producers/Exporters in China PR

1. Hebei Daguangming Industry Group Co., Ltd., Western Side, Donghuan South Trade Co., Ltd., No. 2601 Road, Shahe City, Hebei Province, P.R.China	2. Shanghai Kargas International Chemical Co Ltd., Xietu Rd, Shanghai, P. R. China
3. Hebeijing country xinyuan rubber Chemical Co Ltd., Shengli road Guangsha Import and Export Co., Ltd., No.199, district 31-1-101, Hengshui city, Hebei Xinhua Road, Shijiazhuang, Hebei, P. province, P.R.China	4. Hebei Yonghui Chemical Industries R. China
5. Gansu Jinshi Chemical Co., Ltd., 109 #, West suburb, Minle Co., Ltd., NO.787 Donger Road County, Gansu, P. R. China	6. Shandong Shuangyan Chemical Dongying City, Shandong, P.R.China
7. Weifang Longzhou Industry and Commerce Co., Ltd., Luocheng Town, Co., Ltd., Gaozhuang industrial zone, Shouguang City, Shandong Province, Laicheng, Laiwu, P.R.China	8. Laiwu Taishan Carbon Black P.R.China

9. Qichang Chemical Co., Ltd., Beichenwang, tangyin County, Anyang City, Henan Province, P. R. China	10. Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd., Liyao, Jingdezhen City, Jiangxi Province, 333000, P.R.China
11. Suzhou Boahua Carbon, Xushuguan Suzhou, P.R. China-21515	12. Tianjin Dolphin Carbon Black Ltd., East of Railway, North of Yinheqiao Beichen District, Tianjin, P.R.China 300400

Carbon Black Producers /Exporters in Iran

1. Doodeh Sanati Pars Company, No. 49, Padidar Alley, Africa Ave., Tehran 15188 Iran	2. Simorgh Carbon Black Mfg. Co. Unit 9, No. 11, East Nahid St Africa Ave.,Tehran
3. Iran Carbon Company, International Private company, Box 14155-1333, Tehran, Iran	

Carbon Black Producers/Exporters in Malaysia

1. Paradise Polymers And Chemicals Malaysia, 470 Taman Muhibbah Jaya, Sungai Siput (Utara), Perak , Malaysia - 31100	2 Segfield Carbon Industries (M) Sdn Bhd, Lot 149675, Igb International Industrial Park,Ipooh, Perak Malaysia – 31100
--	---

Carbon Black Producers/Exporters in Russia

1. Omsktechuglerod 644049, barabinskaya 20,Omsk, Russia	OJSC, Street, House 45 Kutuzovsk, Moscow, Russia.	2. Amtel Holding Company, House 45 Kutuzovsk, Prospekt,121170 Moscow, Russia.
3. Sevengazprom, 39/2 Street Ukhta Komi, Russian Federation	Lenin Republic	4. Nizhnekamsk Carbon Black Plant 423570 Nizhnekamsk Prombaza Republic of Tartarstan
5. Yaroslav, Itekhuglerod, 150053 Yaroslavl		

Carbon Black Producers/Exporters in Thailand

1. Thai carbon Black, 44 Moo1, Ayuthaya -Angthong Tambol Pasa, Amphur Muang, Angthang 14000	2. Bridgestone Carbon Black (Thailand) Co., Ltd., Rojana Industrial Park, Ban Khai District, Rayong Province, Thailand
3. Thai Tokai Carbon Product Co., Ltd. 9th Floor, Harindhorn Tower, 54 North Sathorn Road, Silom, Bangrak, Bangkok 10500, Thailand	

ix In response to the above notification, following exporters/producers/Association have responded:

S.N.	Name of Interested Party	Country
1.	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	Australia
2.	M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.	China PR
3.	M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co., Ltd.	China PR
4.	M/s Longxing Chemical Stock Co., Ltd.	China PR
5.	M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co., Ltd.	China PR
6.	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat")	China PR
7.	China Rubber industry Association	China PR
8.	M/s Suzhou Baohua Carbon Black Co., Ltd.	China PR
9.	M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskiy Uglerod	Russia
10.	M/s Omsktechuglerod Ltd.	Russia
11.	M/s Trigon Gulf FZCO	UAE
12.	M/s Thai Tokai Carbon Product Company Ltd. ("TCP")	Thailand

M/s Omsktechuglerod Ltd. did not file the response as per the questionnaire.

x Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

1. M/s JK Tyres, Link House, 3, 2, Bahadurshah Zafar Marg, Delhi - 110 002	2. M/s Birla Tyre, Shivam Chambers New 53, Syed Amir Ali Avenue, Kolkata-700 019, West Bengal.
3. M/s Apollo tyres, Apollo House 7, Institutional Area, Sector-32, Gurgaon - 122001 (Haryana)	4. M/s CEAT Ltd., CEAT Mahal, 463, Dr. Annie Besant Road, Worli, Mumbai 400 030
5. M/s MRF Ltd., 124 Greams Road, Chennai-06	6. M/s Ralson, Plot No: 3, New Industrial Area, Mandideep. Distt. Raisen, M.P. - 462046
7. M/s Poddar Tyre, GT Jugiana, Ludhiana (PB) 141420	8. M/s Oriental Rubber Industries, 525 Koregoan Bima Pune Nagar Road, Pune
9. M/s Hindustan Rubber, 1 Center OFF Veera Desai Andheri(W) Mumbai-53	10. M/s Agarwal Rubber, 15-1-503/49/A, Road Ashok Market, Siddiamber Bazar, Hyderabad 500 01, Andhra Pradesh
11. M/s Exel Rubber, Flat no. 507, Sai Sadan Apts, Opp. SBI Balkampet, 210, 5th Main Road Vijay Nagar 2nd S.R. Nagar, Hyderabad - 500038	12. M/s Tega Industries, First floor, No Stage Bangalore 560040
13. M/s Phoenix Yule, Ideal Plaza, 4th Floor, 11/1, Sarat Bose Road, Kolkatta 600 02, West Bengal	14. M/s Monotona Tyres, Mumbai, 422 01, Maharashtra

15. M/s TVS Srichakra, Perumalpatti road Velaripatti Road Melur Taluk Madurai-625122	16. M/s Ahuja Continental, 1109 Mittal Towers MG Road Bangalore
17. M/s Midas Rubber, P. John Zachariah Kottayam, Kerala, 686001	18. M/s Tolins, M.C. Road, Kalady- Buildings, 683 574, Kerala
19. M/s TM Tyres, 5-35, Survey No, 305 & 321 Kalakal Village Medak 502320, Andhra Pradesh	20. M/s Hartex Rubber, 6-3-865, Madhupala Towers, Ameerpet, Hyderabad- 500 016

xi In response thereof, following have responded:

S.N.	Name of Interested party
1.	M/s Apollo Tyres Ltd.
2.	M/s J. K. Tyre & Industries Ltd.
3.	M/s Goodyear South Asia Tyres Pvt. Ltd.
4.	M/s Goodyear India Ltd.
5.	M/s Cabot India Ltd.
6.	M/s General Rubbers
7.	Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA), India
8.	All India Rubber Industries Association, New Delhi

M/s General Rubbers, M/s Apollo Tyres Ltd., M/s Cabot India Ltd., M/s. Goodyear India Ltd, M/s J. K. Tyre, have filed their importer's questionnaire providing details of the imports of the subject goods by them.

xii The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

xiii Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.

xiv Investigation was carried out for the period starting from 1st Oct 2007 to 30th September, 2008 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, April 2007-March 2008 and the POI. For assessing the threat of material injury, post POI data has also been considered.

xv *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the AD Rules.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

The product under consideration is 'Carbon Black used in rubber applications'. It is an inorganic chemical used in production/ processing of rubber (including tyres), as reinforcing filler. Carbon Black is also known as acetylene black, channel black, furnace black, lamp black, lampblack, thermal black, and noir de carbone. Carbon black can be divided into two categories – rubber and non-rubber applications Carbon black. Carbon black for rubber applications is the Carbon black that is used in production/ processing of rubber (including tyres), as a reinforcing filler. The present investigation is in respect of Carbon black used in rubber applications. Carbon black used in non-rubber applications, such as inks in copiers and computer printer cartridges, paints, crayons and polishes is not within the scope of the present investigation.

The subject goods fall under Chapter 28 of the Act under subheading no. 28030010. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

Issues raised by interested parties

All India Rubber Industries Association, New Delhi has, *inter alia*, stated that Thermal Black is not produced in India and thus, should be kept out of the scope of the investigation.

M/s Gem Polytech Industries Pvt. Ltd, has, *inter alia*, contended the following:

- Specialised grades of carbon Black (HS code: 28030010) meant for semi conductive compound application give superior processing characteristics, low sulphur content and good electrical conductivity. These grades are not manufactured in India; they attract premium price and are not used in rubber application as reinforcing filler. They are used in plastic application as electro-static discharge (ESD) & semiconductor (SC). Their structure is different from the PUC. Thus, these grades be included in non rubber application including cables, films, injection moulded products for electronic application.

Examination by the Authority

Thermal black – Even though the domestic industry has contended that Thermal black is nothing but carbon black but it has added that the domestic industry has not produced N880, N990 and N991 grades during the POI and is at present also not producing these grades.

Therefore, pending further investigation and verification, the Authority for the purposes of these preliminary findings, has excluded these grades of Thermal Black from the scope of the product under consideration as the domestic industry apparently does not manufacture the same.

Carbon black for semi conductive compound applications – since the domestic industry has stated that this is not the grade of Carbon black meant for rubber

applications; therefore pending further investigation, the Authority has excluded these grades from the ambit and scope of the product under consideration.

With regard to like articles, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

With regard to the possible difference between the product sold by the exporters in the Indian market and the product sold by the domestic industry, the Authority notes that there is no dispute by the exporters that there is any difference in the two products. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference in product under consideration exported from subject countries and the product produced by the Indian industry. Product under consideration produced by the domestic industry are comparable to the imported subject product in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.

Thus, the Authority is of the view that product under consideration produced by the applicant domestic industry is like article to the subject product under consideration in accordance with the AD Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under:-

(b) "Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry:

The Application has been filed by Association of Carbon Black Manufacturers on behalf of the domestic industry. M/s. Phillips Carbon Black Limited and M/s. Hi-Tech Carbon have provided injury information, whereas M/s. Continental Carbon India Limited has supported the application.

Issue raised by Interested Parties

M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat") has, *inter alia*, contended that the applicant does not have Standing in view of relationship of M/s Hi-Tech carbon India with M/s Liaoning Birla Co. Ltd (China) and M/s Thai Carbon Black Public Company Ltd. (Thailand).

Examination by the Authority

The Authority notes that M/s Hi Tech Carbon is related to M/s Thai Carbon Black Public Company and M/s Liaoning Birla Co. Ltd. M/s Hi Tech Carbon has claimed that M/s Liaoning Birla Co. has not exported Carbon black in Indian market. Even though M/s Thai Carbon Black Public has exported the subject goods to India, the entire volume of exports is only 2178 MT, out of total of 518624 MT in POI.

The Authority notes that the volume of exports made by Thai Carbon Black is too insignificant in relation to production and consumption in India. Besides, it has not been established that M/s Hi Tech Carbon should be excluded from the purview of domestic industry because of exports made by the related company. The Authority considers it appropriate to include Hi Tech Carbon within the scope of the domestic industry.

As per the evidence available on record, production of M/s Phillips Carbon Black Ltd. and Hi-Tech Carbon account for a major proportion of the domestic production of like article, being significantly more than 50% of Indian production. The application thus satisfied the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules. Further, M/s Phillips Carbon Black Ltd. and M/s Hi-Tech Carbon are being treated as "domestic industry" within the meaning of Rule 2(b) read along with Rule 2(d) of the AD Rules for the purpose of the present findings.

SUBJECT COUNTRIES

The investigation was initiated concerning imports of the subject goods originating in or exported from Australia, China PR, Iran, Malaysia, Russia and Thailand on the basis of IBIS data relied upon by the Applicant. However, the Authority had requested the DGCI&S to provide the relevant data on the subject, which was received. A perusal of the data shows that imports of the subject goods from Iran are below the *de-minimis* limits prescribed. Hence, further investigation has been restricted to imports of subject goods originating in or exported from Australia, China PR, Malaysia, Russia and Thailand.

Other issues raised by Interested Parties

It has been, *inter alia*, contended that:

- Selection of the subject countries is on discriminatory basis as volume of import from some of non-subject countries is neither negligible nor the import price is lower.
- Russia should be the appropriate analogue country instead of Thailand as primary raw material for manufacturing Carbon black is feed stock in Thailand whereas in China PR it is Coal tar, more economic, raw material for manufacturing Carbon black.
- The Authority should make the comparison on a monthly or if it is not practical, on quarterly basis, as per Article 2.4 of the WTO Anti-dumping Agreement that ' this comparison shall be made at the same level of trade, normally at the ex-factory level, and in respect of sales made at as nearly as “at the same time”

- No injury exists before April 2008 as per their own website, thus injury margin calculation should be based on data on the third and fourth quarter. Further quarterly determinations may be carried out for both injury and dumping determination due to the extreme volatility in prices and cost during the POI.
- Some interested parties have contended that there is no justification for retrospective imposition of anti-dumping duties.

Examination by the Authority

- The Authority notes that volume of imports beyond 3% was reported only from UK. The applicant has claimed that (a) there is no production facility in UK, (b) imports from UK are transhipment, (c) imports from UK include substantial sales of off spec material. None of the interested parties has refuted this claim of the applicant.
- The Authority notes that the primary reason advanced for consideration of Russia as an appropriate market economy third country is similarity of raw material. However, the Authority notes that it has not been established by an interested party that difference in raw material leads to any possible difference in the associated product characteristics. Moreover, in a situation where the selling price is above cost of production, the difference in raw materials (whose impact may be on the cost of production) become irrelevant. The AD Rules require that an appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. The Authority does not have on record any reliable information in this regard. Therefore, the Authority has at this stage considered cost of production in India, duly adjusted, for determination of normal value in China PR. However, the Authority would consider comments of interested parties and consider the option of considering Russia or Thailand as a surrogate market economy third country for the purpose of final determination.
- The Authority notes that domestic industry too has requested for comparison of Normal value with Export price on quarterly basis. As regards conducting a monthly comparison is concerned, not only would it have been more cumbersome, but also observing that the pricing in this industry, particularly in tyre segment is on quarterly basis; it would be more appropriate to conduct a quarterly comparison. However, the Authority would consider comments of interested parties and may consider the option of conducting monthly comparison for the purpose of final determination.
- The Authority notes that the domestic industry has not claimed that it has suffered no injury till April, 2008. On the contrary, the domestic industry has stated that deterioration in their profitability started with quarter ending March, 2008 and the same has continued till date. Moreover, if dumping margin and injury margin are determined only based on last two quarters, it would lead to reducing the period of investigation to just two quarters. While quarter by quarter comparison/analysis may be desirable, it has not been established that information for any particular quarter is required to be excluded.

- Since the Authority at this stage is not recommending retrospective imposition of duty, the issue becomes irrelevant. The Authority would consider for final determination whether retrospective imposition of duty is called for.

D. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

NORMAL VALUE

The Authority sent questionnaire to the known exporters from subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. Response to the questionnaires were received from the following companies –

S.N.	Name of Company	Country
1.	M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.	China PR
2.	M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd.	China PR
3.	M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.	China PR
4.	M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co. Ltd.	China PR
5.	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat")	China PR
6.	M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskiy Uglerod,	Russia
7.	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	Australia
8.	M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd.	Thailand

The Authority has noted that no difference has been claimed by any producer/exporter regarding the product under consideration that has been sold to India and like articles that has been sold in their domestic markets. The exporters have claimed Normal values on the basis of grades of the subject goods sold in their domestic market. Some of the exporters and domestic industry have claimed that the Normal value and Export price should be compared on the basis of monthly or quarterly averages. The submissions to conduct a quarterly analysis have been provisionally accepted and the Authority has at this stage compared Normal value with Export price on the basis of quarterly averages. However, in the case of China PR, as elaborated herein below, there are significant issues of market economy determination in respect of the responding exporters that requires further examination and verification. Therefore, pending further examination and verification of the claims made by the responding exporters and producers from China PR, in respect of their market economy claims and individual treatment claims; for the purposes of the preliminary finding, the Authority has provisionally estimated the Normal value in China on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules.

Normal value in case of China PR

Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other

countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

The Authority indicated, in the initiation notification that the applicant claimed that China PR is a non market economy and Thailand could be considered as a market economy as an appropriate surrogate country. The Authority invited comments from all interested parties in accordance with para 7 of Annexure I. One of the Chinese exporters, namely M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat"), without claiming market economy treatment, has, *inter alia*, contended that Russia be treated as an appropriate market economy third country for the purpose.

Examination of Market Economy claims in respect of China PR

The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules.

As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority, some Chinese exporters have submitted their questionnaire responses including the market economy questionnaire responses and sought to rebut the non-market economy presumption except M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co. Ltd ("Black Cat"). The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporter have been examined for determination of Normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows:

Views of the domestic industry

In support of their claim, the domestic industry has, *inter alia*, made the following contentions –

- a. Unless Chinese exporters establish that they pass the test of market economy status for each and every parameters laid down under the Rules, market economy treatment cannot be given to them.
- b. The responding exporters have not established how they are entitled for market economy status in terms of, *inter-alia*, ownership & control, acquisition of plants, raw material prices and accounting standards.

Submissions made by Chinese exporters/producers

M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat")

In its response to the Questionnaire, the exporter did not answer the questions of part D, E, F, G, I, J & K and Appendix 1 of the Questionnaire on the ground that these parts were related to either domestic sales or production cost. It was made clear by them that they did not apply for market economy treatment, therefore their Normal value should be determined on the basis of price or cost in a third market economy analogue country in accordance with the rules.

The exporter also claimed price difference between coal-based tar and oil-based tar used as a raw material for the subject goods. For this purpose, it provided the Chinese Customs export statistics in respect of coal-based tar for the period of investigation. It was submitted that China exports coal-based tar to Japan, Taiwan, Korea and Mongolia, among which Japanese imports takes a high majority. The exports of coal-based tar to Japan on a monthly basis were provided as mentioned below:

**Summary of Chinese Customs Export Statistics of Coal-based Tar during the
POI**

HS Code 27060000	Importing country: Japan			
	Export QTY in KG	Export Value FOB in USD	Unit price per Ton including VAT	Net unit price per Ton net of VAT in USD
Oct-07	15,502,298	5,333,260	344	294
Nov-07	11,698,655	4,148,016	371	317
Dec-07	14,560,343	5,399,859	397	339
Jan-08	11,029,308	4,374,271	399	341
Feb-08	8,324,216	3,319,458	420	359
Mar-08	12,838,507	5,395,734	443	379
Apr-08	11,910,519	5,281,898	426	364
May-08	16,366,168	6,969,834	426	364
Jun-08	11,194,695	5,241,809	468	400
Jul-08	13,408,305	7,080,159	528	451
Aug-08	7,859,734	5,006,943	637	544
Sep-08	4,659,025	3,206,600	688	588
total	139,351,773	60,757,841	436	373

The exporter has requested that the above market price of coal-based tar be considered as benchmark for price comparison. Besides, it also requested the Authority to compare the prices of coal-based tar with oil-based tar prices, which the Authority is able to obtain in the course of investigation of exporters of other countries. In addition, the exporter claimed the price difference on account of coal-based tar and oil-based tar.

Examination by the Authority

As already stated, since China PR has been treated as a NME for the purposes of anti-dumping investigations, the prices of raw-materials procured in the Chinese domestic market cannot be said to be reflecting the international prices, pending further investigation and verification, particularly in the context that the exporter has provided that data in respect of the exports of a major raw material, namely coal-based tar to Japan, which is significantly higher than the price at which the material has been purchased by the Carbon black producers in China PR.

Therefore, for the purposes of these preliminary findings, the Normal value is being constructed as explained in the relevant section of these findings. As regards, the export price, the information/data provided by the exporter has been provisionally accepted, pending further investigation and verification.

M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.

On a perusal of the response from the exporter, a deficiency letter was sent to them, *inter alia*, seeking certain clarifications therein. The exporter responded to the letter.

Examination by the Authority

It has been observed that it has procured major raw-materials from State-owned companies, and no evidence has been provided to establish that these prices are reflecting the market conditions. Therefore, for the purposes of these preliminary findings, the Normal value is being constructed as explained in the relevant section of these findings. As regards, the export price, the information/data provided by the exporter has been provisionally accepted, pending further investigation and verification.

M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co.

On a perusal of the response from the exporter, a deficiency letter was sent to them, *inter alia*, seeking certain clarifications therein. The exporter responded to the letter.

Examination by the Authority

A perusal of the response showed that the respondent had a related company, namely M/s HHUI, who in fact had exported the subject goods to India; though the company claimed that it was the real exporter. Without going into the merits of this contention, it was also noted that it had predominantly procured the subject goods from M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd. The other supplier of the subject goods to them, namely M/s Jiangxi Heibao Carbon Black Co. Ltd. has not co-operated in this investigation. Since M/s Longxing Chemical Stock Co. has not been given the MET status, the same cannot be also extended to the company, pending further investigation and verification because M/s Longxing Chemical Stock Co., *inter alia*, procured major raw-materials from State-owned companies, which cannot be stated to be reflecting the market conditions. Therefore, for the purposes of these preliminary findings, the Normal value is being constructed as explained in the relevant section of these findings. As regards, the export price, the information/data provided by the exporter has been provisionally accepted, pending further investigation and verification.

M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.

On a perusal of the response from the exporter, a deficiency letter was sent to them, *inter alia*, seeking certain clarifications therein. The exporter responded to the letter.

Examination by the Authority

A perusal of the response showed that the company was formed in 2005 by four shareholders including M/s Santai Electrical Co. Ltd. However, M/s Santai Electrical Co. Ltd. is no more the shareholder of the respondent since 2006 and hence the details of the shareholding of the company were not available. A copy of the business licence attached with the response shows that the same is in the name of M/s Santai Electrical Apparatus factory, instead of M/s Santai Electrical Co. Ltd.

Besides, it has also been contended by the company that there are no international prices of the major raw materials used in the production of the subject goods and that the raw materials were procured in domestic market at market driven prices. Since, China PR has been treated as a NME for the purposes of anti-dumping investigations, the prices of raw-materials procured in the Chinese domestic market cannot be said to be reflecting the international prices, pending further investigation and verification, particularly in the context that one of the Chinese producers has provided that data in respect of the exports of a major raw material, namely coal-based tar to Japan, which is significantly higher than the claims made by the company.

Therefore, for the purposes of these preliminary findings, the Normal value is being constructed as explained in the relevant section of these findings. As regards, the export price, the information/data provided by the exporter has been provisionally accepted, pending further investigation and verification.

M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd.

The response filed by the exporter was perused and certain deficiencies were observed. Accordingly a deficiency letter was sent seeking clarifications.

Examination by the Authority

Though the exporter responded to the deficiency letter but it was found that it has not appropriately answered all the queries raised therein. For instance, the issue regarding acquiring the plant and machinery has not been appropriately answered. It was also observed that it purchases the raw material and other inputs in the domestic market according to the prevailing market price.

As already stated, since China PR has been treated as a NME for the purposes of anti-dumping investigations, the prices of raw-materials procured in the Chinese domestic market cannot be said to be reflecting the international prices, pending further investigation and verification, particularly in the context that one of the Chinese producers has provided that data in respect of the exports of a major raw material, namely coal-based tar to Japan, which is significantly higher than the claims made by the company.

Therefore, for the purposes of these preliminary findings, the Normal value is being constructed as explained in the relevant section of these findings. As regards, the export price, the information/data provided by the exporter has been provisionally accepted, pending further investigation and verification.

Determination of Normal value in respect of Exporters / Producers from China PR

The Authority notes that the exporters have not provided any evidence to establish that prices of basic inputs substantially reflect market values. The producers have named the raw materials suppliers and identified their legal status. The companies have not provided any evidence to establish that the inputs have been procured at prevailing international prices. At the same time, domestic industry has claimed that,

in fact, price of coal-based tar in China PR does not substantially reflect market values. This also calls for further investigations, including spot verification.

Considering that the cost of the raw-material form a significant portion of the cost of the subject goods, the Authority is unable to grant market economy treatment to the Chinese exporters at this stage, pending further investigation including spot verification.

In view of the above, pending examination of the above issues such as acquisition of plants, whether the prices of raw materials reflect international prices, their impact on the cost and prices of the subject goods, accounting issues etc, and verification of the same, the Authority is of the view that the producers/exporters from China PR cannot be granted market economy status for the preliminary determination of their Normal Value.

Methodology adopted for constructing Normal Value in case of China PR

The Authority has constructed Normal value for the Chinese producers at this stage on the following basis –

- a. Prices of major input, coal based tar have been considered on the basis of the price at which this material has been claimed to have been exported from China PR to Japan.
- b. Consumption of raw materials per unit of production has been considered as claimed by the responding exporters.
- c. Conversion costs have been adopted on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry.
- d. Selling, general & administrative costs have been taken on the basis of information/data of efficient producer of the domestic industry
- e. Profit has been taken @ 5% of ex-factory cost excluding interest.

For the purposes of conducting a fair comparison, separate Normal value has been calculated for each grade of subject goods produced and sold and separate Normal value has been calculated for each quarter of the Period of investigation. However, the dumping margins so arrived have been weighted averaged for the entire 'period of investigation' and for the 'product under consideration' as a whole thereafter.

Normal value in case of Australia, Russia and Thailand

Response to questionnaire were filed by the following companies

S.N.	Name of Company	Country
1.	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	Australia
2.	M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskiy Uglerod,	Russia
3.	M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd.	Thailand

Since these companies have responded with questionnaire responses, the Authority has determined individual dumping margin in respect of these companies. The methodology adopted for determination of Normal values is as follows:

General methodology followed for the responding exporters for determination of Normal Values

It was first seen, whether the domestic sales of the subject goods by the responding exporters in their home markets were representative and viable for permitting determination of Normal values on the basis of domestic selling prices and whether the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the exporters, subject to verification. In their responses, the exporters have provided transaction-wise details of sales made in their home markets. The information so provided has been relied upon to determine separate weighted average domestic selling price for each grade/type of the subject goods to the extent feasible, subject to further investigation and verification.

For the determination of the ordinary course of trade test, the costs of production of the product concerned have been provisionally accepted, subject to verification of these claims. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the costs of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade. It was also seen whether the loss-making transactions account for over 20% of the sales or not.

Considering that there have been significant variations in the prices of major raw-material, the applicant and one of the Chinese exporters has requested the Authority to assess the impact of dumping on the basis of quarterly comparisons.

The Authority considers that there is merit in the above submissions and has observed significant changes in the cost of production and selling price from quarter to quarter for the same grade and has therefore assessed the dumping margin on a quarterly basis for ensuring a fair comparison.

M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd., Australia

The Normal value has been determined as per methodology mentioned in the earlier paragraphs based on the domestic selling price of the subject goods of the exporter pending further verification. The adjustments have been made on account of discount and inland transport as claimed by the exporter, for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification.

M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskiy Uglerod,

On examination of the exporter's response, certain deficiencies were noted and the exporter was requested to provide necessary information/clarification, including the information as mentioned in Appendix 1 of the response. Since the information/clarification sought vide the deficiency letter have not been provided in time by the exporter, the Authority is constrained to proceed further after synthesizing the data on the basis of facts available. It is noted that the exporter was provided time to respond to the deficiency letter. The exporter did not provide the information within this time limit. Thereafter, the exporter vide fax dated 2nd April 2009 stated that all information would be provided by 7th April 2009. It is however noted that requisite information has not been provided despite the fact that it promised to revert with the requisite information/data. Accordingly, even though the

response is not complete and the exporter has not responded to the request for supplementary information, the Normal value has been determined as per methodology mentioned in the earlier paragraphs based on the domestic selling price of the subject goods of the exporter as per best information available on record, pending further verification after adjustment of packing expenses as claimed by the exporter.

M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd.

The Normal value has been determined as per methodology mentioned in the earlier paragraphs based on the domestic selling price of the subject goods of the exporter pending further verification. However, on examination of the exporter's response, certain deficiencies were noted and the exporter was requested to provide necessary information/clarification, including information relating to certain transactions as mentioned in Appendix 1 of the response. Since the information/clarification sought vide the deficiency letter have not been provided yet by the exporter, the Authority is constrained to proceed further after ignoring these transactions. Barring these transactions, the claims made by the exporter have been provisionally accepted, subject to further investigation and verification. Adjustments have been made on account of discount and inland transport as claimed by the exporter, for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification.

Normal value in case of Malaysia

None of the producers/exporters from Malaysia has responded to the Authority by providing information in the form and manner prescribed in the exporters' questionnaire. As no information has been received from any exporter/producer from Malaysia, the Authority has constructed the Normal values on the basis of facts available. Normal value in respect of Malaysia has been determined on the basis of constructed value, by considering best consumption norms for the raw materials, best estimates of conversion cost, selling, general & administrative costs of the domestic industry. Reasonable profit @ *** % has been added to determine Normal value.

Determination of Normal value in respect of Non-Co-operative Exporters / Producers

Since, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods; the Authority has decided to determine their Normal Value as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules.

EXPORT PRICE

Export price for the responding exporters

The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporters could be determined on the basis of questionnaire responses filed by these interested parties. The export prices have been allowed as claimed by the responding exporters, subject to further investigation and verification.

M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd., Australia

Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of subject goods, as explained above. The adjustments have been made on account of inland freight, ocean freight, port handling charges, customs fees, and commission as claimed by the exporter for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification.

M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskiy Uglerod,

On examination of the exporter's response, certain deficiencies were noted and the exporter was requested to provide necessary information/clarification, including relating to information as mentioned in Appendix 2 of the response. Since the information/clarification sought vide the deficiency letter have not been provided in time by the exporter, the Authority is constrained to proceed further on the basis of facts available. It was also noted that significant portion of the response was in Russian language and despite an opportunity provided to the exporter to furnish an English translation thereof, the same has not been received by the Authority. Besides, inconsistencies have been noted between the response received from the exporter and the response filed by their agent namely, M/s Trigon Gulf Fzco, leading the Authority to disregard the export price data due to the deficiencies pointed out and the inconsistencies observed.

As stated, separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of subject goods based on imports reported in India as per the DGCI&S data. The adjustments have been made on account of inland transportation charges on road and rail, re-stuffing, warehousing and demurrage charges, ocean freight, bank charges, commission etc as per the submissions made by M/s Trigon Gulf Fzco for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification.

M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd,

Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of subject goods, as explained above. The adjustments have been made on account of commission, freight, shipping, insurance, as claimed by the exporter for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification.

M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd ("Black Cat")

Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of the subject goods, as explained above. The adjustments have been made on account of inland transportation, overseas transportation, overseas insurance, credit, bank charges and export packing as claimed by the exporter, for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification. Besides, it is noted that the other exporters from China PR have made adjustments on account of VAT as well; but M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd has not done so. Therefore, pending further investigation and spot verification, the adjustment on account of Vat is also being made to the export price.

M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.

Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of the subject goods as per data provided by the exporter in Appendix 2 of the response. The adjustments have been made on account of overseas freight, overseas insurance, output VAT, export packing, inland freight, handling, credit and bank charges as claimed by the exporter, for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification.

M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co.

Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of the subject goods as per data provided by the exporter in Appendix 2 of the response. The adjustments have been made on account of overseas freight, overseas insurance, output VAT, handling, and bank charges as claimed by the exporter, for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification. Besides, the adjustments claimed by the producer M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd., the principal supplier of the subject goods to M/s Ningbo Sheen – All Chemical Co., have been made on account of inland freight, packing and credit, for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification.

M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.

Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of the subject goods as per data provided by the exporter in Appendix 2 of the response. The adjustments have been made on account of overseas freight, overseas insurance, output VAT, export packing, inland freight, handling, credit and bank charges as claimed by the exporter, for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification.

M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd.

Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of the subject goods as per data provided by the exporter in Appendix 2 of the response. The adjustments have been made on account of Customs declaration, port charges, inland transportation, overseas transportation, insurance, and bank charges as claimed by the exporter, for the purpose of the preliminary findings, subject to further investigation and verification. Besides, it is noted that the other exporters from China PR have made adjustments on account of VAT as well; but M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd. has not done so. Therefore, pending further investigation and spot verification, the adjustment on account of Vat is also being made to the export price.

Export price in case of Malaysia

None of the producers/exporters from Malaysia has responded to the Authority by providing information in the form and manner prescribed in the exporters' questionnaire. As no information has been received from any exporter/producer, the export prices in respect of all exporters from Malaysia have been determined on the

basis of best information available with regard to imports from Malaysia. The information with regard to imports reported in India as per the DGCI&S data has been adopted for the purpose. Separate weighted average export price to India has been determined for each grade/type of subject goods. Adjustments have been made on account of ocean freight, marine insurance, THC charges, Customs sundry charges, CHA charges, Bank charges and inland freight as claimed by the domestic industry.

Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers

Since, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods; the Authority has decided to determine their Export Price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The data has been collated as per the information provided by the applicant and the information provided by the co-operative exporters.

Dumping Margin – comparison methodology

It is noted that Carbon black for rubber applications is produced and sold in several grades. Information on record shows that there are significant differences in associated costs and prices of various grades, even though all the grades are employed for the same general purpose and perform the same function. In view of the same, the Authority has worked out a dumping margin separately for each grades of Carbon black by making a comparison between the Normal values and Export prices of the different grades at ex factory level. Weighted average overall dumping margin has been determined by computing the dumping found on each grade and associated volumes, without zeroing negative dumping found in individual grades. The comparison showed existence of dumping of the subject goods during the POI. The weighted average dumping margin, expressed as a percentage to the export price has been determined as positive and significant.

Besides, information filed by the domestic industry and responding foreign producers show that there were significant differences in the prices of the product within the Period of Investigation. The Domestic industry has submitted that there has been significant increase in basic feedstock prices during the Period of Investigation, resulting in increase in the prices of the subject goods during the Period of Investigation. The domestic industry has therefore requested that the Authority should consider Normal value and Export price at as nearly as possible same time. Some of the responding exporters also agreed that the comparison of Normal value with Export price on the basis of weighted average for the Period of investigation may not be appropriate.

Considering the principles of fair comparison and distinctive facts of the present case, the Authority has compared Normal value with Export price on the basis of quarterly averages, which have thereafter been computed further to determine a single Dumping Margin for the PUC as a whole for the entire POI without zeroing negative dumping, if any.

DUMPING MARGIN

Considering the Normal values and Export prices as determined above separately for product subject to investigation, the dumping margins have been determined as follows:

Exporter	Country	Dumping Margin US\$ per Kg	Dumping Margin as %
M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	Australia	***	38.36%
Non Co-operative producers/exporters	Australia	***	43.96%
M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd	China PR	***	26.34%
M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd	China PR	***	30.98%
M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd.	China PR	***	33.93%
M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.	China PR	***	37.94%
M/s HHUI / Ningbo Sheen – All Chemical Co	China PR	***	35.16%
Non Co-operative producers/exporters	China PR	***	46.45%
M/s. Yaroslavskiy Tekhnicheskiy Uglerod through M/s Trigon Gulf Fzco	Russia	***	27.38%
Non-Co-operative producers/exporters	Russia	***	27.38%
All producers/exporters	Malaysia	***	12.77%
M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd	Thailand	***	21.27%
Non Co-operative producers/exporters	Thailand	***	38.53%

F. INJURY AND CAUSAL LINK

Injury Submissions made by interested parties

Submissions made by China Rubber industry Association, and M/s Suzhou Baohua Carbon Black Co. Ltd., China

Detailed submissions regarding injury to the Domestic industry have been made and it has been, *inter alia*, contended that the following table clearly establishes that the performance of the Domestic Industry has improved during the period of investigation as compared to the base year.

SI	Particulars	Comments on purported injury to Domestic Industry
----	-------------	---

No

1	Actual and potential	Sales of Domestic Industry has increased in absolute decline in sales terms. Domestic Industry is operating at its peak capacity.
2	Actual and potential	Profitability has improved. Petitioners are making huge decline in profits profits as compared to the base year when there was no allegation of dumping.
3	Actual and potential	Output has increased with increase in production and decline in output capacity utilization
4	Actual and potential	All domestic producers have gained market share by decline in market share 19%.
5	Actual and potential	Productivity has improved. There is no sign of decline in productivity deterioration in productivity.
6	Actual and potential	Return on investment has improved during the period of decline in return on investigation as compared to the base year when the investment same was negative.
7	Actual and potential	Capacity utilisation has increased by more than 13%. decline in capacity utilization Domestic Industry is operating at its peak capacity.
8	The magnitude of margin of dumping	Margin of dumping claimed is hypothetical.
9	Actual and potential	Cash flow of the Domestic Industry has improved during negative effects on period of investigation as compared to base year. cash flow
10	Actual and potential	There is no change in the overall position of average negative effects on stock if considered in link with the number of day inventories sale/production. Domestic Industry is maintaining stock below the industry norms.
11	Actual and potential	Number of employees has remained stable. There is no negative effects on negative effect on employment. employment
12	Actual and potential	Wages have increased even more than normal increase negative effects on in the industry. wages
13	Actual and potential	There is no negative effect on growth. negative effects on growth
14	Actual and potential	The Domestic Industry has launched major expansion negative effects on projects. This shows that they are able to raise capital ability to raise capital easily.
15	Actual and potential	The Domestic Industry has launched major expansion negative effects on projects. This shows that there are no negative effects investments on investments because of alleged dumping.

It has been contended that the above table shows that the Domestic Industry is not affected on any of the mandatory injury parameters laid down under the Anti

Dumping Agreement. Profits of the Domestic Industry have increased. Its capacity utilization including its enhanced capacity has increased. All injury parameters are showing signs of improvement during the period of investigation as compared to the base year. There is no causal relationship between alleged dumped imports and purported injury to the Domestic Industry.

Besides, it has been contended that the Domestic Industry is in expansion mode since 2007-08 due to improved performance and good profits. Various press releases issued by PCBL from time to time have been quoted. It has been contended that from this it is clear that the PCBL is increasing its capacities by making huge investments. These expansion programs clearly show that the business environment for the Domestic Industry in respect of Carbon Black is excellent and this has resulted in launching expansion programs by the Domestic Industry. This also shows that the Domestic Industry is in good health and wants to make use of the favourable conditions for increasing its profitability. There is no adverse effect on the Domestic Industry due to alleged dumped imports.

As regards, the Threat of Material Injury, it has been contended that the Threat of injury and material injury are generally considered in the alternative, as the threat of injury implies material injury in the imminent future, rather than material injury in the present. It has been contended that the claim of the Domestic Industry with regard to threat of injury is based on simple assertion and not based on facts. It has been contended that there is neither material injury to the Domestic Industry nor a threat of injury to the Domestic Industry.

There is, however, no comment on the claim of the domestic industry with regard to deterioration in performance on quarter by quarter basis within the Investigation Period. Nor there is any comment on the performance of the domestic industry immediately after the Sept., 2008.

Submissions made by ATMA

ATMA has advanced elaborate submissions on various injury parameters, pleading non existence of injury to the domestic industry. Since the Authority has examined all injury parameters, the same addresses the views expressed by ATMA as well. Additionally, the Authority has following observations on the issues raised by ATMA.

- a. **Price undercutting** – the Authority is not recommending anti dumping duty in case of imports from Malaysia and Iran. But the volume of imports reported in DGCI&S data has been found to be understated in case of Thailand. The information made available by the responding Thai exporter shows positive price undercutting. With regard to remaining countries, the Authority notes that the price undercutting is positive. The fact that the said undercutting amount was reducing, at best, addresses the claim of the domestic industry that it was trying to reduce the gap between the imported and domestic product and resultantly volume of domestic sales did not decline.
- b. **Price suppression/depression** – the Authority notes that the impact of dumped imports on the domestic industry needs to be ascertained within the period of investigation itself as well. This is so particularly in a case, where

the increase in the cost of production within the period of investigation itself is significant as is seen from the quarterly analysis of the data. It is noted that within the period of investigation, the increase in the cost of production was more than the increase in the selling price. Further, in Oct.-Dec., 08 period, this difference accentuated leading to losses to the domestic industry.

- c. Losses in Oct.-Dec.,08 period – the Authority notes that ATMA has not established that the domestic industry has suffered financial losses in this period due to higher cost of raw materials. In any case, the Authority considers the actual cost structures of the domestic industry. In a situation where the input prices are rising, the Authority does not consider prevalent input prices for undertaking injury analysis but relies on the actual data. Thus, it would not be appropriate to assess injury based on prevailing input prices. Further, it is observed that whereas the sales volumes of the domestic industry declined significantly, those of imports showed an increase in this period.
- d. Normal value – While stating that the prices of the product or inputs are readily available, the Authority notes that ATMA has not provided any such information to the Authority. The purpose of evidence of Normal value in the application is to establish that there is sufficient *prima facie* evidence justifying initiation of the investigation. But the quality and quantity of the investigation improves gradually during the course of the investigation, as the investigation progresses. The responses received by the Authority show that the dumping margins are significantly positive except against imports from Malaysia and Iran. In fact, the Authority is not recommending anti dumping duty in case of imports from Malaysia and Iran, notwithstanding that no response has been received from any exporter/producer from these countries. It is also noted that there are various grades of the feedstock and coal-based tar. Carbon black feedstock and the subject goods fall under the same customs classification and therefore summary customs data in any case is not useful. Besides, coal-based tar has wide range of grades that differ significantly in associated applications and prices.

The Authority is in agreement with ATMA's submission that the Normal value is required to be determined on the basis of cost of production in the country of origin. In fact, the applicant has determined Normal value based on cost of production in the country of origin. This has, however, been constructed based on best available information.

- e. Injury information in the Application – the Authority notes that the Application filed before the Authority contains information in respect of all mandated injury parameters. However, it notes that existence of information on all injury parameters and claim of the domestic industry with regard to presence or absence of injury on account of some injury parameters should not be mixed up. While the Applicant is required to provide information on all mandated injury parameters, it is not necessary that the Application claims injury in respect of each and every injury parameter. In any case, it is an accepted position that all mandated injury parameters need not establish injury to the domestic industry.

- f. Recommendation and imposition of preliminary anti dumping duties-- With regard to the conditions precedents for recommendation and imposition of preliminary anti dumping duties, the Authority notes that injury for this purpose need not be restricted only to material injury. Moreover, the Authority has recorded a positive preliminary finding of material injury as well, which material injury has further aggravated in Oct.-Dec., 08 period, when situation in respect of a number of economic parameters drastically deteriorated.
- g. Contraction in demand – the Authority notes that demand for the product has not declined till Sept., 2008. While ATMA has claimed that import volumes steeply declined in Oct.-Dec., 08 without providing any evidence, information made available by the domestic industry from IBIS data shows that import volumes in fact substantially increased during this period. Further, while it is appreciated that vehicle production (and consequently all inputs to that industry, which in turn implies subject goods as well) declined steeply, a situation where demand for the product declines but import volumes increases, apparently shows injury being aggravated by the dumped imports.
- h. Raw materials prices – the Authority notes that spot and long term contracts have their own associated advantages & disadvantages. The domestic industry has claimed that their product prices are fixed on quarterly basis, whereas their raw material prices are fixed for a period much less than one quarter. Apparently, this factor could have gone in favour of the domestic industry.
- i. Difference in IBIS data – Authority notes that while alleging that IBIS data provided by the Applicant and procured by ATMA are at variance; it is seen that ATMA has not established the variance. In any case, the Authority has now procured data from DGCI&S and has recorded the present findings based on the same.

Examination by the Authority

The Authority has taken note of various submissions of the interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed injury to the domestic industry considering the facts available on record and the applicable law as follows:

Cumulative assessment

The analysis shows that the subject goods are being dumped into India from the subject countries. Attention is invited to Annexure II para (iii) of the AD Rules which provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -

- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the

import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the import of like article and

- cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

The Authority observes that

- The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed above;
- The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed except from Iran;
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market. This is evident from the following:
 - The domestic industry produces various grades of the subject goods. Similar grades are being produced by producers from the subject countries and supplied to India. The subject goods manufactured by the producers from the subject countries inter-se and in comparison to the product manufactured by the domestic industry has comparable properties. In other words, the subject goods supplied from various subject countries and by the domestic industry are inter-se like articles.
 - There are common parties who are resorting to use of imported material from various sources and domestic material. Imported and domestic materials are, therefore, being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product & imported product and *inter-se* imported product.
 - The exporters from the subject countries and domestic industry have sold the same product in the same periods to the same set of customers. The sales channels are comparable.
 - Volume of imports from each of the subject countries is significant.
 - Domestic industry has contended that consumers make purchase decision on the basis of prices offered by various suppliers.

In view of the above, the Authority considers it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from Australia, China PR, Malaysia, Russia and Thailand.

Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

Demand and market share

Demand of the product in the Country has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Demand in India	Mt	408692	439812	503122	526199

It is noted that demand for the product has shown significant and consistent increase over the injury period.

Import volumes and market share

The Applicant has provided information with regard to imports based on IBIS data for the entire injury period. The Authority requested the DGCI&S for the import data, which was received. Further, a number of producers/exporters from subject countries and Indian consumers/ importers have responded to the Authority. The Authority collated all imports information and compared the same in order to assess the volume of imports during the period. It is noted that the actual volume of exports reported by responding exporters in case of Thailand and Australia is higher than the

volume reported in DGCI&S or IBIS data. Further, the volume of imports reported in DGCI&S data is significantly higher than the volume of imports reported in IBIS data. Therefore, in case of Thailand and Australia, the Authority has adopted the actual volume of exports reported by the responding exporters from Australia and Thailand. In all other cases, the volume of imports reported by DGCI&S has been adopted. It is seen that: -

a) Imports from subject countries have increased significantly in absolute terms, except from Malaysia.

Imports	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Australia	Mt	2,142	2,094	5,905	6,655
China PR	Mt	1,342	6,221	11,565	12,580
Malaysia	Mt	942	2,660	5,443	5,082
Russia	Mt	16,194	8,379	25,008	26,391
Thailand	Mt	125	3,932	5,731	7,886
Subject countries	Mt	20,746	23,287	53,852	58,607
Other countries	Mt	3,139	7,383	9,415	8,552
Total import	Mt	23,885	30,670	63,066	67,159

b) Imports from subject countries have increased in relation to production and consumption in India as compared to the base year.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Dumped imports in relation to Indian production	%	4.15	4.36	9.40	9.83
Dumped imports in relation to demand in India	%	5.08	5.29	10.66	11.14

C) While market share of the subject countries have increased, that of the domestic industry has marginally declined as compared to the base year.

Market Share in demand as %	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
-----------------------------	------	---------	---------	---------	-----

Subject countries	%	5.08	5.29	10.66	11.14
Other countries	%	0.77	1.68	1.87	1.63
Domestic industry	%	69.94	68.42	65.69	65.28
Supporter companies	%	12.96	12.10	10.44	11.12
Other Indian Producers	%	11.26	12.51	11.33	10.83
Share of Indian Industry	%	94.16	93.03	87.46	87.24

It is thus seen that the volume impact of the imports on the domestic industry has been marginally adverse when compared to data 2007-08. However, since the data of 2007-08 also has a part of the POI, it would be appropriate to compare it with the preceding periods. It is seen that the market share of imports from the subject countries have significantly increased, whereas that of the domestic industry has declined.

Price effect of imports

With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting, except in case of Malaysia. For the purpose, the Authority notes that there is significant difference in the prices of different grades. Further, there was significant increase in the input cost over the injury period, thus leading to increase in the prices within the Period of investigation. Therefore, the Authority has compared landed price of imports with the selling price of the domestic industry for comparable grades and on quarterly basis. Weighted average price undercutting has been determined after considering associated import volumes. It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting, except in the case of imports from Malaysia; though the overall price undercutting from the subject countries is positive. The position is as follows.

Country	Price undercutting (Rs/Mt)	Price undercutting as %(Range)

Australia – Continental	***	4 to 8%
China PR	***	8 to 12%
Russia	***	5 to 9%
Thailand - TCP	***	1 to 4%
Malaysia	***	Negative
Subject countries	***	3 to 8%

The Authority has determined price undercutting for the responding exporters in case of Thailand and Australia using their data instead of DGCI&S because the volume of exports reported by the responding exporters is higher than the volume reported in DGCI&S.

Economic parameters of the domestic industry

Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below:

Sales volumes

Sales volumes of the domestic industry were analysed over the injury period. The position is as follows:

Period	Domestic Sales volume Mt
2005-06	285,838
2006-07	300,935
2007-08	330,521
POI	343,516
Oct-Dec07	90,295
Jan- Mar08	81,231

Apr- Jun08	86,612
Jul- Sep08	85,379
Oct.-Dec.08 (Post POI)	64,164

It is seen that the domestic sales volume have increased over the period. However, it is noted that within the Period of investigation, the sales volumes have declined as compared to the first quarter of the POI. Further, sales volumes declined very significantly in Oct.-Dec., 08 period.

Capacity and Capacity Utilization

Unit	Capacity	Production	Capacity utilization
	Mt	Mt	%
2005-06	440,000	396,040	90.01
2006-07	440,000	427,568	97.17
2007-08	485,000	465,587	96.00
POI	500,000	488,080	97.61
Oct-Dec07	125,000	123,480	98.78
Jan- Mar08	125,000	121,632	97.31
Apr- Jun08	125,000	121,891	97.51
Jul- Sep08	125,000	121,057	96.85
Oct.-Dec.08 (Post POI)	125,000	79,992	63.99

It is seen that production and capacity utilization improved upto Dec., 2007 over the injury period. However, it is noted that the capacity utilization have gradually declined thereafter. Further, production and capacity utilisation declined very significantly in Oct.-Dec., 08 period.

Factors affecting prices:

It is seen that imports are undercutting the domestic prices. Comparison of cost of production and selling price of the domestic industry along with landed price of imports shows that the imports are also suppressing prices of the domestic industry.

Unit	Selling price	Cost of production	Contribution margin	Landed price of dumped imports
	Rs/Mt (Indexed)	Rs/Mt (Indexed)	Rs/Mt (Indexed)	Rs/Mt
2005-06	100	100	100	29,463

2006-07	125	119	126	41,128
2007-08	121	113	136	37,246
POI	147	142	120	43,902
Oct-Dec07	128	116	141	36,591
Jan- Mar08	134	127	125	40,296
Apr- Jun08	149	146	118	46,160
Jul- Sep08	179	180	111	52,726
Oct-Dec, 08				
(Post POI)	192	234	27	64,243

It is observed that the landed price of imports of the subject goods is significantly below the selling price of these products by the domestic industry. Resultantly, the domestic industry has not been able to increase the prices of the product in proportion to the cost increases except in case of Malaysia. As a result of significant price difference between the imported products' price and domestic industry' price, some consumers have increased their procurement of dumped imports, as seen from some of the responses to importer's questionnaire. The Authority notes that response to questionnaire was received from some of the importers/consumers of Carbon Black in India. The Authority analyzed information provided by these parties and compared sourcing of these parties from imports and domestic market. The table below summarizes the position:

	Subject goods imported			Subject goods purchased from Domestic producers		
	2006-07	2007-08	POI	2006-07	2007-08	POI
Apollo	***	***	***	***	***	***
JK	***	***	***	***	***	***
Cabot India	***	***	***	***	***	***
Goodyear India	***	***	***	***	***	***
Goodyear SA	***	***	***	***	***	***
General Rubber	***	***	***	***	***	***

It is seen that sourcing of Apollo Tyres from domestic sources has marginally increased in the POI and imports declined. In case of J. K. Tyres, while sourcing

from domestic market declined, sourcing from imports went up. The Authority determined price difference between domestic and imported product in case of Apollo Tyres and JK Tyres. The table below summarizes:

	Apollo	JK
Import volume (MT)	***	***
CIF import price per MT	***	***
Landed price of imports per MT	***	***
Purchase price from domestic industry per MT	***	***
Price undercutting per MT	(***)	***

Even though the above is on average basis, it is seen that the imports were significantly cheaper than the prices of domestic industry in case of JK Tyres. At the same time, while volume of imports by JK Tyres increased, volume of domestic sourcing declined. In case of Apollo Tyres, the import prices and domestic prices were somewhat comparable. The import volumes increased and domestic sales stagnated. However, in Period of investigation, the import volumes by Apollo slightly declined and domestic sales almost proportionately increased. The Authority thus notes the difference in the domestic and import prices directly impacted the volumes procured by the consumers.

Profit/Loss, return on investment and cash profits

The position with regard to Profit/Loss, return on investment and cash profits was as follows

Period	Profit/Loss Rs. per MT (Indexed)	Return on investment as % (Indexed)	Cash profits per MT (Indexed)	Rs.
2005-06	100	100		100
2006-07	243	205		164
2007-08	291	187		181
POI	267	140		164
Oct-Dec07	392	199		211
Jan-Mar08	289	143		167

Apr-Jun08	221	122	134
Jul-Sep08	162	98	108
Oct-Dec., 08 (Post POI)	-732	-190	-289

It is observed that the profitability was improving till Dec., 2007. However, the profitability started declining thereafter significantly to such an extent that the profitability was below the levels of 2006-07 from April, 2008. Return on investment and cash profits have followed the same trend as that of profitability. Return on investment and cash profit per unit increased upto Dec., 2007 and declined thereafter even beyond the levels registered in 2006-07. Further, profitability declined to such an extent in Oct-Dec., 08 that the domestic industry suffered significant financial losses. Return on investment and cash profits became negative in this quarter.

Inventories:

Data relating to inventories shows as follows

	Unit	2005- 06	2006- 07	2007- 08	POI	Oct- Dec07	Jan- Mar08	Apr- Jun08	Jul- Sep08
Opening	Mt	10649	8361	8528	12322	12322	10049	9841	10228
Closing	Mt	8361	8528	10024	16190	10049	9841	10228	16190
Average Stock	Mt	9505	8444	9276	14256	11186	9945	10034	13209

It is noted that inventories have increased in the POI. The increase in the last quarter of the POI was significant in spite of reduction in production.

Employment, wages and productivity

Data relating to employment, wages and productivity show as follows

	Unit	2006-06	2006-07	2007-08	POI
Number of employees-Nos	Indexed	100	100	100	99
Wages-Rs.Lacs	Indexed	100	115	141	147
Wages per unit of production-Rs./MT	Indexed	100	107	120	119
Productivity per employee-MT	Indexed	100	108	117	125

It is seen that there was some decline in number of employees. Wages paid and productivity show improvement.

Dumping Margin:

It is observed from the section pertaining to Dumping Margin above that dumping margins in respect of the subject countries are significantly positive.

Growth

It is noted that the growth of the domestic industry was positive till Dec., 2007. The growth has however started becoming negative thereafter, as would be seen from the table below showing growth in various parameters.

	Unit	2006-07	2007-08	POI	Oct-Dec07	Jan-Mar08	Apr-Jun08	Jul-Sep08
Production	%	7.96	8.89	4.83	6.09	-1.50	0.21	-0.68
Sales volume	%	5.28	9.83	3.93	9.28	-10.04	6.62	-1.42
Profit/(Loss) per unit	%	143.02	19.86	-8.24	34.44	-26.25	-23.49	-26.54
Return on investment	%	11.41	-1.98	-5.05	1.31	-6.10	-2.21	-2.70
Average stock	%	-11.16	9.85	53.69	20.59	-11.09	0.90	31.64

Ability to raise funds:

It is noted that the ability to raise funds has not got affected so far.

Threat of material injury

Besides the above, the claim of threat of material injury was also examined. For this purpose, the Authority also considered situation of the domestic industry for the period subsequent to the POI.

1. The imports of the subject goods in India have been increasing. The volume of imports beyond the POI is also significant.
2. The difference between the import price of the subject goods and that of the domestic industry prices is quite significant. The imports are entering at such prices that the same are having a significant depressing or suppressing effect on domestic prices and are likely to increase demand for further imports. While the input prices were increasing till Sept., 2008 and the imports were suppressing the prices of the domestic industry, the input prices have started declining thereafter. Resultantly, the prices of the subject goods have also fallen. It is however seen that the decline in the domestic industry's product prices is more than the decline in the input costs (as established by the decline in contribution).

3. The Applicant has provided information which suggests that demand for the subject goods in the subject countries has significantly fallen. From the data of Chinese Customs with regard to exports of Carbon black and tyres (majority of subject goods gets consumed in production of tyres), it is noted that export volumes of these countries have shown significant decline. Based on the information released by China customs, petitioner claimed significant decline in exports of tyres from China PR, as shown in table below. The Applicant has claimed that even if it is assumed that the Chinese domestic demand has not declined, it would be evident that the consumption of Carbon black in China PR alone has so materially declined that the same is significantly higher than the gross consumption in India.

	Apr-Sept., 08	Oct-Dec., 08	Jan-Feb., 09
Average monthly export of Tyres (Nos.)	3,622,818	2,675,376	1,284,561
Average monthly Carbon black consumption (MT)	50,719	37,455	17,984
Decline in monthly Carbon black consumption (MT)		13,264	32,736

(Note: The Applicant has claimed that China customs was earlier reporting figures in terms of numbers, whereas the same has been changed to weight w.e.f. January 2009 and therefore they have assumed average weight of tyre as 50 kg and average carbon black consumption as 14 kg per tyre for the above analysis).

The Applicant also provided information to show that the demand for tyres in the domestic and export markets of some of the subject countries has significantly declined. Since majority of product under consideration is consumed in tyres production, this clearly indicates creation of significant surpluses with the producers in these countries.

Conclusion on material injury and threat of material injury

It is seen that performance of the domestic industry has deteriorated in terms of profits, return on investments, cash profit, inventories and market share. Parameters such as production, sales volumes, and capacity utilization improved till Dec., 2007, but declined thereafter. The deterioration is more pronounced in terms of quarterly performance within the proposed investigation period. Further, the domestic industry was threatened with material injury and the same is evidenced by a number of parameters relating to Oct.-Dec., 2008 period. The deterioration in performance is significant and material. The domestic industry has thus suffered material injury. The post POI data shows threat of material injury as well.

Causal Link

As per the AD Rules, the designated authority is, *inter alia*, obligated to also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, *inter alia*, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry.

It was examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found that

- a. Imports from Third Countries: - The Authority notes that imports from third countries beyond de-minimis limits have been reported only from UK. The applicant has stated that there is no production facility in UK and imports from UK largely represent sales of off specs material. Other interested parties have not disputed this claim.
- b. Contraction in Demand: - The Authority notes that there is no contraction in the demand during injury period. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period. It is, however, noted that there is some decline in demand in Oct.-Dec., 2008 period. While it is appreciated that there was a decline in demand in this period and the same would have had its own adverse impact on the domestic industry in terms of sales and consequently production & capacity utilization, it is noted that the import volumes increased further in this quarter. Thus, while the domestic sales (and consequently production & capacity utilisation) declined significantly in this quarter, the imports increased significantly in this quarter.
- c. Pattern of consumption: - No significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in this regard.
- d. Conditions of competition: - the investigation so far has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.
- e. Developments in technology: - the investigation so far has not shown that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.
- f. Export performance of the domestic industry: - While the export volumes of the domestic industry have increased, the price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of present injury assessment. Therefore, the analysis on injury is not misrepresentative due to possible inclusion of export performance. In fact, the domestic industry has contended that they are being forced to export

only because of lack of demand for their product in the Country because of presence of dumped imports in the market.

The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- i. Whereas feedstock prices increased significantly over the injury period, the import prices did not increase in proportion to such increase in the feedstock prices. The landed prices of imports were lower than the selling price of the domestic industry. As a result of price undercutting, the consumers have resorted to higher volume of imports, thus leading to loss of potential sales and decline in market share.
- ii. Decline in market share has prevented the domestic industry from raising their production and capacity utilization. On the contrary, production and capacity utilization declined after Dec., 2007 due to presence of dumped imports.
- iii. Landed price of imports were undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, lower import prices appear to have prevented the domestic industry from increasing their prices.
- iv. Price suppression effect of the imports has directly resulted in deterioration in profitability of the domestic industry and consequently the return on investment and cash profits. Thus, the decline in profits, return on investments and cash profits is apparently due to presence of dumped imports in the market.
- v. Significant deterioration in performance of the domestic industry in Oct.-Dec., 08 period is apparently due to presence of dumped imports in the market.

The Authority is of the view that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

Magnitude of injury and injury margin

The Authority has determined non-injurious prices of different grades of subject goods for the domestic industry taking into account cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

Country	Exporter	IM US\$ per Kg	IM%
Australia	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	***	12.26%

Australia	Non Co-operative producers/exporters	***	14.80%
China PR	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd	***	9.54%
China PR	M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd.	***	10.62%
China PR	M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co. Ltd.	***	7.40%
China PR	M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.	***	14.88%
China PR	M/s HHUI / Ningbo Sheen – All Chemical Co	***	8.71%
China PR	Non Co-operative producers/exporters	***	18.23%
Malaysia	All producers/exporters	***	-7.11%
Russia	All producers/exporters	***	12.48%
Thailand	M/s Thai Tokai Carbon Product Co. Ltd	***	9.46%
Thailand	Non Co-operative producers/exporters	***	18.20%

H. Conclusions:

After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below associated Normal values, thus resulting in dumping of the product.
- (b) The domestic industry has suffered material injury in the product under consideration. Besides, the imports were threatening material injury to the domestic industry as well.
- (c) The material injury and threat thereof has been caused by the dumped imports from subject countries.

I. Indian industry's interest & other issues

The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of

dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

J. Recommendations

The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having provisionally established positive dumping margins as well as material injury and threat thereof to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty as per amount specified in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of this notification in the event of acceptance of these recommendations by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries.

S.N	Heading/ Subheadin g	Description of goods *	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	28030010	Carbon Black used in rubber applications	Australia	Australia	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	M/s Continental Carbon Australia Pty Ltd.	0.131	Per Kg	US\$

2.	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Australia	Australia	Any combination other than the above	0.155	Per Kg	US\$	
3.	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Australia	Any country other than subject countries. **	Any	Any	0.155	Per Kg	US\$
4	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Any country other than subject countries. **	Australia	Any	Any	0.155	Per Kg	US\$
5	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	China PR	M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd	M/s Ningbo Detai Chemical Co. Ltd	0.133	Per Kg	US\$
6	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	China PR	M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co., Ltd.	M/s Hebei Daguangming Juwuba Carbon Black Co., Ltd.	0.078	Per Kg	US\$
7	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	China PR	M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd.	M/s Longxing Chemical Stock Co. Ltd	0.159	Per Kg	US\$
						M/s Ningbo Sheen All Chemical Co. Ltd through M/s Hhui Chemical Co., Ltd	0.094	Per Kg	US\$
8	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	China PR	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd	M/s Jiangxi Black Cat Carbon Black Co., Ltd	0.109	Per Kg	US\$
9	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	China PR	Any combination other than the above		0.190	Per Kg	US\$
10	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	China PR	Any country other than subject countries. **	Any	Any	0.190	Per Kg	US\$
11	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Any country other than subject countries. **	China PR	Any	Any	0.190	Per Kg	US\$
12	28030010	'Carbon Black used in rubber applications'*	Russia	Russia	M/s Yaroslavskiy Tekhnicheskij Uglerod	M/s Trigon Gulf FZCO	0.132	Per Kg	US\$

13	28030010	'Carbon Black used in rubber applications"	Russia	Russia	Any combination other than the above		0.132	Per Kg	US\$
14	28030010	'Carbon Black used in rubber applications"	Russia	Any country other than subject countries. **	Any	Any	0.132	Per Kg	US\$
15	28030010	'Carbon Black used in rubber applications"	Any country other than subject countries. **	Russia	Any	Any	0.132	Per Kg	US\$
16	28030010	'Carbon Black used in rubber applications"	Thailand	Thailand	M/s Thai Tokai Carbon Product Company Ltd.	M/s Thai Tokai Carbon Product Company Ltd.	0.114	Per Kg	US\$
17	28030010	'Carbon Black used in rubber applications"	Thailand	Thailand	Any combination other than the above		0.195	Per Kg	US\$
18	28030010	'Carbon Black used in rubber applications"	Thailand	Any country other than subject countries. **	Any	Any	0.195	Per Kg	US\$
19	28030010	'Carbon Black used in rubber applications"	Any country other than subject countries. **	Thailand	Any	Any	0.195	Per Kg	US\$

* Note: - Pending further investigation, N880, N990 and N991 grades and Carbon black grades meant for semi conductive compound applications are excluded from the scope of the product under consideration.

** Subject countries are: Australia, China PR, Malaysia, Russia and Thailand.

K. Further Procedure

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

(a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;

(b) Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the these Preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;

(c) The Authority would hold a hearing to hear the views of various interested parties orally;

- (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (e) The Authority would disclose essential facts as per the AD Rules before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority